राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महाराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

शुक्रवार, 14 अप्रैल 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 10 अंक: 113 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

लखनऊ सूचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

ग्लोइंग स्किन से लेकर मजबूत इम्यून...8

एनकाउंटर में ढेर हुआ अतीक अहमद का बेटा असद

शूटर गुलाम भी मारा गया, 5-5 लाख का दोनों पर था इनाम

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में माफिया अतीक अहमद के

बेटे असद का एनकाउंटर हो गया है। यूपी एसटीएफ की टीम ने असद का एनकाउंटर किया है। असद के साथ उसका सहयोगी गुलाम भी मारा गया है। दोनों पर पांच–पांच का इनाम था। पुलिस ने बताया कि दोनों को जिंदा पकड़ने की कोशिश हुई। अतीक का बेटा असद लगातार फरार चल रहा था। उमेश पाल हत्याकांड मामले में उसका नाम आया था। जिसके बाद उसके ऊपर 5 लाख का इनाम भी रखा गया था। यूपी एसटीएफ ने अपने बयान में बताया कि अतीक अहमद का बेटा असद और मकसूदन का बेटा गुलाम झांसी में डीएसपी नवेंदु और डीएसपी विमल के नेतृत्व में यूपीएसटीएफ की टीम के साथ मुठभेड़ में मारा गया। दोनों पर पांच–पांच लाख रुपए का इनाम था।

रोजगार मेले में पीएम मोदी ने बांटे 71000 नियुक्ति पत्र, कहा– प्रतिभा को सही अवसर

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को रोजगार मेला 2023 को संबोधित किया और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त भर्ती के लिए कुल 71,000 नियुक्ति पत्र वितरित किए।

पीएम मोदी का यह कदम 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले 10 लाख नौकरियां देने की सरकार की घोषणा का एक हिस्सा है। नियुक्ति पत्र बांटने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि सरकार षविकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए युवाओं की प्रतिभा और ऊर्जा को सही अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है।ष कार्यक्रम में पीएम मोदी ने क्या कहा: पीएम मोदी ने कहा कि आज 70 हजार से ज्यादा युवाओं को रोजगार मिला है। आपके परिवार को बधाई। विकसित भारत के संकल्प की दिशा में हमारी सरकार लगातार काम कर रही है और सरकारी नौकरी देने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। आज भारत दुनिया में सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है। दुनिया भर के कई देश COVID के बाद आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, लेकिन भारत मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं। दुनिया आर्थिक मंदी देख रही है। लेकिन दुनिया भारत को एक उज्ज्वल स्थान के रूप में देखती है। नए भारत के युवा नए जमाने की तकनीकों से जुड़ रहे हैं और ड्रोन निर्माण और ड्रोन पायलट बनने में तेजी से शामिल हो रहे हैं। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में पूंजी निवेश रोजगार सृजन को बढ़ावा देता है और युवा शक्ति के लिए विविध अवसर पैदा करता है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि 2014 तक भारत में 74 हवाई अड्डे थे, अब 148 हवाई अड्डे हैं। हवाई अड्डों में वृद्धि के कारण रोजगार के नए अवसर भी खुले हैं। बंदरगाह क्षेत्र विकसित हो रहा है। स्वास्थ्य क्षेत्र भी रोजगार सृजन का बेहतरीन उदाहरण बन रहा है। हर बुनियादी ढांचा परियोजना रोजगार के अवसर पैदा कर रही है। कृषि क्षेत्र में कृषि यंत्रीकरण बढ़ा है जिससे ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

बीजेपी के साथ जाएंगे अजित पवार? संजय राउत बोले– हमारा कनेक्शन Fevicol जैसा

मुंबई। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के कद्दावर नेता संजय

राउत ने अटकलों को खारिज कर दिया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजीत पवार सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री भाजपा के गुलाम नहीं बनेंगेश। राउत ने संवाददाताओं से कहा कि मुझे नहीं लगता कि वह इस तरह की चीजें करेंगे और उनके साथ जाएंगे। राउत ने कहा कि अजीत पवार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। (उनका) राजनीतिक भविष्य उज्ज्वल है ३ चिंता की कोई बात नहीं है। राज्यसभा सांसद ने जोर देकर कहा, ष्एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार अभिभावक हैं और हम उनके साथ हैं। कल उद्धव ठाकरे और मैंने पवार के साथ चर्चा की थी। हमारा कनेक्शन फेविकोल की तरह है... कोई इसे अलग नहीं कर सकता है। पवार एनसीपी बॉस शरद पवार के भतीजे हैं और महा विकास अघडी के सबसे हाई–प्रोफाइल सदस्यों में से एक हैं। शिवसेना–एनसीपी–कांग्रेस गठबंधन जो एकनाथ शिंदे ने ठाकरे की पार्टी (बीजेपी की मदद से) को विभाजित करने से पहले सत्ता में थी। नाना पटोले कई बार ऐसी बातें कहते हैं जो महा विकास अघाड़ी में मतभेद पैदा करती हैं। अगर उन्हें कोई आपत्ति है तो मीडिया में जाने के बजाय उन्हें इसे (राकांपा नेता) जयंत पाटिल या उद्धव ठाकरे के सामने उठाना चाहिए।

असद के एनकाउंटर पर उमेश पाल की पत्नी बोलीं– यह इंसाफ हुआ है, मां ने सीएम योगी का किया धन्यवाद

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड मामले में फरार चल रहे अतीक अहमद के बेटे असद को आज उत्तर प्रदेश एसटीएफ की टीम ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया। इसको लेकर उमेश पाल के परिवार का भी बयान सामने आया है। उमेश पाल के परिवार ने साफ तौर पर कहा है कि उनके साथ इंसाफ हुआ है। साथ ही साथ उनके परिवार ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी धन्यवाद किया है। उमेश पाल की मां शांति देवी ने कहा, यह मेरे बेटे को श्रद्धांजलि है। वहीं, उमेश पाल की पत्नी जया पाल ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद करती हूं। उन्होंने जो किया है बहुत अच्छा किया है। उन्होंने अपनी बेटी के सुहाग के कातिलों को सजा दिलाई। इंसाफ हुआ है...पुलिस ने बहुत सहयोग किया। प्रयागराज में उमेश पाल की मां शांति देवी ने कहा कि सीएम योगी जी को न्याय दिलाने के लिए धन्यवाद और में उनसे अपील करती हूं कि हमें आगे भी न्याय दें। सीएम पर पूरा भरोसा है। उत्तर प्रदेश

के डिप्टी सीएम केपी मौर्य ने पूर्व सांसद अतीक अहमद के बेटे असद और सहयोगी को पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने के बाद यूपी एसटीएफ को बधाई दी है। उन्होंने लिखा कि यूपी ष्ज्ञ को बधाई देता हूँ, श्री उमेश पाल एडवोकेट और पुलिस के जवानों के हत्यारों को यही हश्र होना था! उन्होंने कहा कि मैं ष्ज्ञ टीम को बधाई देता हूं। जो अपराध करेगा वो बचेगा नहीं, उसे फांसी होगी और अगर पुलिस से भिड़ेगा तो पुलिस को जवाबी कार्रवाई करनी होगी। यह बहुत ऐतिहासिक कार्रवाई है और बहुत बड़ा संदेश है कि अपराधियों का युग समाप्त हो गया है। यूपी ष्ज्ञ ने बताया कि अतीक अहमद का बेटा असद और मकसूदन का बेटा गुलाम झांसी में डीएसपी नवेंदु और डीएसपी विमल के नेतृत्व में यूपीएसटीएफ की टीम के साथ मुठभेड़ में मारा गया। दोनों पर पांच–पांच लाख रुपए का इनाम था। करीब एक महीने तक असद अहमद के खिलाफ कोई केस नहीं हुआ। हालांकि, 24 फरवरी को प्रयागराज में उमेश पाल की गोली मारकर हत्या करने वाले शूटरों के एक गिरोह का कथित रूप से नेतृत्व करने के बाद वह यूपी का मोस्ट वांटेड व्यक्ति बन गया। असद पर उसके परिवार के किसी भी अन्य सदस्य की तुलना में सबसे अधिक (2.5 लाख रुपये का) इनाम था।

बीजेपी के साथ नहीं गए तो जेल, आदित्य ठाकरे का बड़ा दावा, बगावत से पहले एकनाथ शिंदे मातोश्री आकर रोने लगे थे

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने बुधवार को दावा किया कि

पिछले साल अपना विद्रोह शुरू करने से पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मुंबई में ठाकरे के आवास मातोश्री में पार्टी नेता उद्धव ठाकरे से मिलने आए थे। गुरुवार को शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के खिलाफ आरोपों से इनकार किया। आदित्य ने कहा कि शिंदे में शामिल हुए शिवसेना के 40 विधायकों ने केवल अपनी सीट बचाने और पैसे के लिए ऐसा किया। एकनाथ शिंदे के विद्रोह पर टिप्पणी करते हुए आदित्य ने कहा, ष्वहां जाने का कोई और कारण नहीं था। आदित्य ने दावा किया वर्तमान मुख्यमंत्री मातोश्री आए और यह कहते हुए रो पड़े कि केंद्रीय जांच एजेंसी उन्हें गिरफ्तार करेगी। उन्होंने कहा कि वह भाजपा के साथ जाएंगे या उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आदित्य कौटिल्य स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी की विजिटिंग फैकल्टी स्मिता शर्मा द्वारा संचालित चेंज मेकर्स सेशन के हिस्से के रूप में ळप्ज्ड (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) के हैदराबाद कैंपस में बोल रहे थे। शिवसेना सांसद संजय राउत ने यह भी कहा कि शिंदे केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई के दबाव में थे और आधे से अधिक विधायक ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों के रडार पर थे और इसलिए वे विद्रोह में शामिल हो गए। राउत ने कहा कि इसी तरह की कोशिश अब राकांपा के विधायकों के साथ की जा रही है ताकि उन्हें तोड़ा जा सके। आदित्य ने जो कहा वह सही है। वह (शिंदे) ईडी के रडार पर थे और कार्रवाई और गिरफ्तार होने से डरते थे। उन्होंने मेरे आवास पर आकर मुझसे भी यही बात कही थी। हमने उसे समझाने की कोशिश की और उससे कहा कि डरो मत और स्थिति का सामना करो। हमें लड़ना चाहिए। हम बालासाहेब के सैनिक हैं। लेकिन वह झुक गए।

'रोजगार मेले' पर खरगे का कटाक्ष कहा– बहुत कम दिया और बहुत देर से दिया

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'रोजगार

मेले' को लेकर सरकार पर कटाक्ष करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि बहुत कम रोजगार दिया गया है और बहुत देर से दिया गया है। खरगे ने ट्वीट किया, ''मोदी जी फिर से रोजगार के नाम पर 'भर्ती पत्र' बांट रहे हैं। कार्यक्रम में 50,000 पद रेल मंत्रालय के ही हैं। रेलवे में 3,01,750 पद खाली हैं। सरकारी मंत्रालयों में 30 लाख पद खाली हैं।'' उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, ''मोदी सरकार के 10वें वर्ष में किये गये इस स्टंट पर 'बहुत कम दिया, बहुत देर से दिया' सटीक बैठता है।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'नया भारत' नयी नीतियों और रणनीतियों के साथ आगे बढ़ रहा है और उनकी सरकार अतीत के 'प्रतिक्रियाशील दृष्टिकोण' को छोड़कर प्रौद्योगिकी व बुनियादी ढांचे के मामलों में सक्रियता से काम कर रही है। मोदी ने 'रोजगार मेले' को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि लघु एवं सूक्ष्म उद्यमों के लिए मुद्रा ऋण परियोजना से आठ करोड़ से अधिक नए उद्यमी पैदा हुए हैं और सरकार की नीतियों एवं रणनीतियों ने नयी संभावनाओं के द्वार खोले हैं।

विपक्षी नेताओं से नीतीश की मुलाकात पर बोले गिरिराज सिंह, 2024 में पद खाली नहीं, इनकी राजनीतिक दुर्गति होनी बाकी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 3 दिनों की दिल्ली यात्रा पर हैं। अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान नीतीश कुमार लगातार विपक्ष के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। बुधवार को उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात की थी। बुधवार को शाम में वह आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिले थे। नीतीश कुमार साफ तौर पर कहते सुने जा रहे हैं कि हम सबके बीच जो बात होनी थी, वह हो गई है। हम सब एक हैं। हालांकि, नीतीश कुमार के दिल्ली दौरे को लेकर भाजपा जबरदस्त तरीके से आक्रामक है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। गिरिराज सिंह ने कहा कि सभी के मन में प्रधानमंत्री बनने

की इच्छा है। नीतीश कुमार उसमें प्रबल हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए ये जा रहे हैं मिलने के लिए, राहुल गांधी से बड़ी मुश्किल से अपॉइंटमेंट मिला है। भाजपा नेता ने कहा कि नीतीश कुमार ये जान लें कि 2024 का पद खाली नहीं है और इनकी राजनीतिक दुर्गति होना अभी बाकी है। माना जा रहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में नीतीश कुमार विपक्षी एकता के सूत्रधार साबित होंगे। इससे पहले केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने विपक्षी एकता को लेकर जबरदस्त तरीके से तंज कसा था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भ्रष्टाचार को लेकर जब कुछ दल फंसते हैं तो इकट्ठा होने की कोशिश करते हैं। अपने बयान में अनुराग ठाकुर ने कहा कि भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे कुछ दल जब एकत्रित होते हैं तो महागठबंधन बनता है। उन्होंने कहा कि 2014 और 2019 में भी यही ठगबंधन बना था लेकिन कुछ नहीं हो पाया क्योंकि जनता जानती है कि विपक्षी दल भ्रष्टाचार में डूबे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इनका मुकाबला नरेंद्र मोदी से है, जिनकी 22 साल की ब्ड से च्ड तक की राजनीति ईमानदार और साफ रही है।

सुशील मोदी का सीएम नीतीश पर तंज, बोले– वह एक ऐसी नाव पर सवार हो रहे हैं जिसमें छेद ही छेद है

पटना। एक ओर जहां नीतीश कुमार विपक्षी एकता को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं तो दूसरी ओर भाजपा उनपर जबरदस्त तरीके से उनपर हमलावर है। कभी नीतीश कुमार के बेहद करीबी रहे सुशील कुमार मोदी ने उनपर निशाना साधा है। सुशील मोदी ने साफ तौर पर कहा कि नीतीश कुमार एक ऐसी नाव पर सवार हो रहे हैं जिसमें छेद ही छेद है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक डूबता जहाज है। राजस्थान में सचिन पायलट अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन पर बैठे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो नीतीश कुमार बिहार नहीं संभाल पा रहे, उपचुनाव नहीं जीत पा रहे, वे देश का नेतृत्व करेंगे, विपक्षी दलों को

एक करेंगे, कौन उन्हें स्वीकार करेगा? इससे पहले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि सभी के मन में प्रधानमंत्री बनने की इच्छा है। नीतीश कुमार उसमें प्रबल हैं। इसलिए ये जा रहे हैं मिलने के लिए, राहुल गांधी से बड़ी मुश्किल से अपॉइंटमेंट मिला है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ये जान लें कि 2024 का पद खाली नहीं है और इनकी राजनीतिक दुर्गति होना अभी बाकी है। माना जा रहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में नीतीश कुमार विपक्षी एकता के सूत्रधार साबित होंगे। इससे पहले केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने विपक्षी एकता को लेकर जबरदस्त तरीके से तंज कसा था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भ्रष्टाचार को लेकर जब कुछ दल फंसते हैं तो इकट्ठा होने की कोशिश करते हैं। अपने बयान में अनुराग ठाकुर ने कहा कि भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे कुछ दल जब एकत्रित होते हैं तो महागठबंधन बनता है। उन्होंने कहा कि 2014 और 2019 में भी यही ठगबंधन बना था लेकिन कुछ नहीं हो पाया क्योंकि जनता जानती है कि विपक्षी दल भ्रष्टाचार में डूबे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इनका मुकाबला नरेंद्र मोदी से है, जिनकी 22 साल की ब्ड से च्ड तक की राजनीति ईमानदार और साफ रही है।

सड़क हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर घंटों प्रदर्शन किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा।भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई है। आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर घंटों प्रदर्शन किया। भारी संख्या में ग्रामीणों के पहुंचने के बाद चार थाने की पुलिस लगाई गई। पुलिस ने किसी तरह से परिजनों को समझा–बुझाकर जाम हटवाया। तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवार को ठोकर मार दिया। जिससे बाइक पर सवार दो लोग सड़क के बीचो– बीच में गिर गए। सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक में युवकों को रौंद डाला। जिससे दोनों युवकों की मौके पर मौत हो गई। गोंडा जिले के कर्नलगंज परसपुर मार्ग पर एक बाइक पर सवार होकर कर्नलगंज की तरफ आ रहे युवकों को पिकअप ने ठोकर मार दिया। बाइक सवार सड़क पर गिर गए। ठोकर मारने के बाद पिकअप चालक गाड़ी लेकर भागने में सफल रहा। सामने से आ रहे ट्रक ने सड़क पर पड़े दोनों युवकों को रौंद डाला। जिससे ललित 18 वर्ष और राजकुमार 26 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। मृतक युवक के परिजन और आसपास गांव के लोग भारी संख्या में मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर घंटों प्रदर्शन किया। क्षेत्राधिकारी कर्नलगंज के काफी प्रयास के बाद परिजन मान गए। पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जातिमुक्त समाज के निर्माण के लिए पदयात्रा का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

तुलसियापुर,बलरामपुर। जातिप्रथा की समाप्ति और जाति मुक्त समाज के निर्माण के लिए अम्बेडकर जयंती के अवसर पर दो दिवसीय पदयात्रा की शुरुवात की गई। बढ़नी ब्लाक के ग्राम भरौली से सामाजिक कार्यकर्ता दीनानाथ के नेतृत्व में पदयात्रा गुरुवार की शाम शोहरतगढ पहुंची। इस दौरान जातीय संगठनों पर प्रतिबंध की मांग के समर्थन में लोगों को जागरूक किया गया। पदयात्रा पर निकले सबल संस्थान के सचिव दीनानाथ ने बताया कि भारत सरकार द्वारा किए गए जाति मुक्त भारत के वादे को याद दिलाने के लिए तीन वर्ष पहले 5 अगस्त 2020 को राम मंदिर शिलान्यास के अवसर पर जाति मुक्त हिंदुत्व अभियान शुरू किया गया था। इसी क्रम में लोगों को जाति मुक्त समाज के निर्माण के लिए जागरूक करने हेतु पदयात्रा का आयोजन किया गया है। यात्रा सबल संस्थान भरौली से प्रारंभ होकर होकर ढेबरूआ, तुलसियापुर चौराहा, सिसवा, गणेशपुर और बाणगंगा होते हुए शोहरतगढ पहुंचेंगी। शोहरतगढ मे भारत माता चौक पर भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। दीनानाथ ने बताया कि पुनः शुक्रवार की सुबह यात्रा शोहरतगढ से जिला मुख्यालय के लिए प्रस्थान करेंगी जहां 8 सूत्रीय संकल्प लेकर कार्यक्रम समाप्त होगा। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता विश्व सेवा संघ अध्यक्ष सुनील केसी, होली प्रसाद, विजय, दिलीप, अर्जुन, मनोज कुमार, राम जी, अमरनाथ, रमेश, आदि लोग मौजूद रहे।

ग्रामीणों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनी पानी की टंकी महज शोपीस

ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर संचालित करने की उठाई मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटियाथोक/गोंडा। एक तरफ सरकार ग्रामीणों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के उद्देश्य ग्राम पंचायतों में विश्व बैंक की सहायता से पानी की टंकी का निर्माण कराया गया है। लेकिन यह पानी की टंकियां अब महज शोपीस बनकर रह गई है। जिसकी एक बानगी इटियाथोक विकासखंड के ग्राम पंचायत विहार व पूरे हाड़ा के बॉर्डर पर बनी पानी की टंकी इसका साफ सुथरा उदाहरण है। जहां 2015 में विश्व बैंक की सहायता से ग्रामीणों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पानी की टंकी बनाई गई थी महज कुछ दिन संचालन होने के बाद इसके संचालन पर रोक लग गई ग्रामीणों ने लाख शिकायतें की लेकिन स्थानीय प्रशासन की उदासीनता के कारण इस पानी की टंकी का संचालन नहीं हो पाया आपको बता दें कि ग्राम पंचायतों में जल की गुणवत्ता ठीक नहीं थी जिसका सर्वे करने के उपरांत पानी की टंकी लगाई गई थी लेकिन पानी की टंकी का संचालन न होने से पूरे हाड़ा व विहुरी ग्राम पंचायतों के लोग गंदे जल पीने के लिए मजबूर हैं एक तरफ सरकार ग्रामीणों को स्वच्छ जल पीने की व्यवस्था करा रही है, वहीं स्थानीय प्रशासन की उदासीनता से यह योजना धरा शाही हो गई है। इस बारे में पूर्व प्रधान जनार्दन पांडे, अनूप कुमार पांडे, वेद प्रकाश द्विवेदी,सुग्गु लाल पांडे, प्रेम प्रकाश त्रिपाठी , शिव राम त्रिपाठी सहित कई ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर पानी की टंकी संचालन की मांग की ग्रामीणों ने बताया कि इसकी शिकायत कई बार की जा चुकी है लेकिन विकास खंड जिले स्तर के अधिकारी टंकी के संचालन में रुचि नहीं ले रहे हैं। जिसके कारण इसका संचालन नहीं हो पा रहा है धीरे–धीरे यह खंडहर का रूप लेती जा रही है और ग्रामीण गंदे जल पीने के लिए मजबूर है सरकार की जो भी योजनाएं चलाई जा रही है स्थानीय प्रशासन की उदासीनता के कारण उन योजनाओं की उड़ाई जा रही है और लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है ऐसे में सरकार इन योजनाओं को संचालित करने के लिए क्या कड़े कदम उठाए गए तो आने वाला समय तय करेगा।

जमीनी रंजिश को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष

दैनिक बुद्ध का संदेश

बभनान। छपिया थाना क्षेत्र हलुआ माडा निवासिनी कलावती देवी ने छपिया पुलिस को दिए तहरीर में बताया की मेरे पट्टीदार कर्ताराम विपक्षी सियाराम, कनिकराम माडा थाना छपिया के बीच आबादी की जमीन की कब्जेदारी को लेकर विवाद था इसी पुरानी रंजिस को लेकर विपक्षीगण सियाराम, कनिकराम व दो अज्ञात लोग आकर कलावती और कर्ताराम जो गेहू की मड़ाई करने जा रहे थे उनको धारदार हथियार व डंडा से मारने लगे। पीड़िता कलावती कर्ताराम, सत्यम को गम्भीर चोटे लगी। हल्ला गुहार करने पर गाव के लोग आ गये जिससे विपक्षी गण जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गये। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक छपिया शतानंद पांडे ने बताया की दोनों पक्षों में रंजिश को लेकर विवाद था।मारपीट हुई थी दोनों पक्षों की तरफ से मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

रुधौली पुलिस ने चुनाव में संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील बूथों का निरीक्षण किया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

रुधौली जनपद बस्ती। उप जिलाधिकारी आनंद श्रीनेत तहसील रुधौली व क्षेत्राधिकारी प्रीति खरवार तथा प्रभारी निरीक्षक महोदय संजय कुमार थाना रुधौली जनपद बस्ती के द्वारा आगामी नगर पंचायत चुनाव में संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील बूथों का निरीक्षण किया गया। मतदान केन्द्र कामता प्रसाद नगर गिधार, दिन दयाल उपाध्याय थरौली, इंदिरा नगर प्राइमरी पाठशाला थरौली, राजकीय कन्या जूनियर हाई स्कूल रुधौली, कमपोजिट कन्या प्राथमिक विद्यालय मुड़ियार, नेताजी सुभाष नगर शास्त्री नगर रुधौली पूर्व माध्यमिक विद्यालय रुधौली आदि का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान मतदान कक्ष तथा बिजली पानी आने जाने का मार्ग तथा बाउंड्री वाल शौचालय आदि का निरीक्षण किया गया कमियों को पूरा करने हेतु अधिशासी अभियंता द्वारा पूरा कराने हेतु बताया गया।

समाजवादियों ने पुण्यतिथि पर वी.पी मण्डल को किया नमन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। गुरूवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर सामाजिक न्याय के मसीहा स्व. बीपी मंडल को उनकी पुण्य तिथि पर याद किया गया। विधायक कविन्द्र चौधरी अतुल ने कहा कि बी.पी. मंडल ने कहा था कि आरक्षण संवैधानिक मौलिक अधिकार उन्मूलन व आर्थिक उन्नयन का साधन नहीं, बल्कि वंचित तबके के प्रतिनिधित्व सुनिश्चितिकरण का आधार है। कहा कि सामाजिक असमानता दूर करने की दिशा में बी.पी. मण्डल का विशेष योगदान है। अध्यक्षता करते हुये जावेद पिण्डारी ने कहा कि स्व. बीपी मंडल पिछड़ावर्ग के सामाजिक न्याय के महानायक व मूक क्रांति के जनक थे। बीपी मंडल विधायक, सांसद, मंत्री और बिहार के मुख्यमंत्री भी रहे। पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के रूप की गई सिफारिशों के कारण ही उन्हें पिछड़ा वर्ग के महानायक के रूप में याद किया जाता है। पुण्य तिथि पर बी.पी. मण्डल को नमन् करने वालों में मो. सलीम, भोला पाण्डेय, प्रशान्त कुमार यादव, पुष्पसेन सिंह राजन, मो. मुख्तार, मो. तौफीक, आर.डी. निषाद, धनुषधारी गुप्ता, मो. फिरोज, नूर मोहम्मद खान, मो. रफीक, रामवृक्ष यादव, रामभवन यादव, मनीष पाण्डेय, नीरज यादव, महेन्द्र यादव, राजेश शुक्ला, देवनाथ यादव, दाउद खान, लालता प्रसाद यादव, अरविन्द कुमार आदि शामिल रहे।

गोंडा बड़गांव सहकारी क्रय विक्रय समिति लि० गोंडा का चुनाव संपन्न

सभापति वैभव शुक्ल व अश्वनी कुमार शुक्ल चुने गए उप सभापति।

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। गुरूवार को निर्वाचन अधिकारी विजयपाल सिंह व समिति सचिव शिवपाल तिवारी की देखरेख में गोंडा (बड़गांव) सहकारी क्रय विक्रय समिति लि० गोंडा में सभापति,उप सभापति व अन्य समितियों में भेजे गए प्रतिनिधियों का निर्वाचन निर्विरोध संपन्न हुआ। जिसमें सभापति वैभव शुक्ला व उप सभापति अश्वनी कुमार शुक्ल चुने गए। इस अवसर पर संचालक मंडल सदस्य विजय प्रकाश मिश्र, अवधेश कुमार शुक्ल, अरविन्द चौधरी, रुची देवी, रमाशंकर, लता शुक्ल,वागीश दत्त, राघवराम तिवारी, रामबहादुर, अनुपम शुक्ल, सर्वेश कुमार पूर्व प्रमुख पड़री कृपाल, विश्वनाथ पाण्डेय पूर्व उपाध्यक्ष, संजय कुमार शुक्ल, अवनीश कुमार शुक्ल, बाल जी आदि लोग उपस्थित रहे।

त्यौहार सभी लोग आपसी भाईचारे व शांतिपूर्ण ढंग से मनाए–थाना प्रभारी निरीक्षक ब्रह्मानंद सिंह

बृज भूषण तिवारी/दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। जनपद गोंडा के थाना धानेपुर के थाना प्रभारी निरीक्षक ने क्षेत्रवासियों से आने वाले ईद के त्यौहार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की। थाना धानेपुर के थाना प्रभारी निरीक्षक ब्रह्मानंद सिंह ने हमारे संवाददाता मोहम्मद सुलेमान से बातचीत करते हुए बताया कि आने वाले मुस्लिम त्योहार ईद को सभी लोग आपसी भाईचारे के साथ मनाएं जिससे क्षेत्र में अमन चौन शांति व्यवस्था कानून व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने बताया कि जिले में शांति व्यवस्था कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक गोंडा आकाश तोमर के निर्देशन पर प्रतिदिन पैदल गस्त पेट्रोलिंग कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है और उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया जा रहा है उन्होंने थाना क्षेत्र तथा जिले वासियों से सोशल मीडिया अखबार के माध्यम से आह्वान किया कि ईद के त्यौहार को सभी जात धर्म के लोग आपसी भाईचारे के साथ संपन्न कराएं जिससे कि कानून व्यवस्था सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे त्यौहार सभी का बराबर होता है चाहे वह हिंदू का हो या मुस्लिम का त्यौहार त्यौहार होता है और सभी को अपने अपने त्यौहार अपने अपने तरीके से मनाना चाहिए अगर त्यौहार में कोई भी अराजक तक अपराधी किस्म का व्यक्ति खलल डालने की कोशिश करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी वहीं उन्होंने कहा कि संदिग्ध व्यक्तियों व अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

पुलिस चौकी भानपुर के चौकी प्रभारी ने किया पैदल गस्त क्षेत्र के लोगों को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। जनपद गोंडा के थाना तरबगंज क्षेत्र के पुलिस चौकी भानपुर के चौकी प्रभारी ने चौकी क्षेत्र में किया पैदल गस्त क्षेत्रवासियों को किया जागरूक सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा। चौकी प्रभारी सोम प्रताप सिंह ने बृहस्पतिवार शाम चौकी क्षेत्र के पकड़ी बाजार सहित अन्य स्थानों पर पैदल गस्त कर क्षेत्र वासियों को जागरूक करते हुए उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया तथा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया चौकी प्रभारी सोम प्रताप सिंह ने क्षेत्रवासियों से हवन किया की आने वाले ईद के त्यौहार को सभी लोग मिलजुल कर आपसी भाईचारे के साथ मनाएं जिससे क्षेत्र में शांति व्यवस्था कानून व्यवस्था अमन चौन कायम रहे उन्होंने कहा कि अगर त्यौहार में कोई भी अराजक तत्व किसी भी प्रकार का खलल डालने की कोशिश करता है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन को लेकर जिलाधिकारी संजीव रंजन ने किया बैठक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। 13 अप्रैल 2023ध्नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन–2023 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारीधजिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारीध्भारी अधिकारी मतदान कार्मिक जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कहा जनपद में 2 नगर पालिका परिषद एवं 09 नगर पंचायत स्थित हैं जिनमें कुल 186 वार्ड, 153 मतदान केंद्र, मतदेय स्थल बनाये गये है। प्रत्येक मत देय स्थल पर पीठासीन अधिकारी, तीन मतदान अधिकारी तैनात किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने कंट्रोल रूम को संचालित करने के लिए कंट्रोल रूम प्रभारी समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने समस्त अधिशासी अधिकारियों व जिला पंचायत राज अधिकारी को यह भी निर्देश दिए कि समस्त बूथों पर वीडियो निगरानी रखी जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा संबंधित अधिकारियों को जो जिम्मेदारी दी गई हैं उनके अनुसार अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें और अपने फील्ड को समझ ले जिलाधिकारी ने कहा सभी को पूर्व की भांति जिस तरीके से स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी रूप से निर्वाचन सकुशल संपन्न कराएं हैं नगर निकाय का निर्वाचन भी सभी को टीम एकता के साथ यह निर्वाचन शांति पूर्ण रुप से संपन्न कराना है जनपद में 02 नगरपालिका व 09 नगर पंचायतों के लिए सभासद व अध्यक्ष के लिए निर्वाचन कराया जाएगा जिसमें सभी अधिकारी सत्य निष्ठा के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करें। नगर पालिका व नगर पंचायत के समस्त नामांकन प्रक्रिया अपने तहसील मुख्यालय पर ही किए जाएंगे 16 अप्रैल को जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा अधिसूचना जारी की जाएगी।17 अप्रैल से 24 अप्रैल तक नामांकन किए जाएंगे नामांकन कक्ष में प्रत्याशी सहित चार लोगों ही जा सकते हैं जिसमें एक प्रत्याशी, एक एजेंट, 1 प्रस्तावक व एक अन्य। 25 अप्रैल को स्कूटनी की जाएगी 27 अप्रैल को नाम वापसी किये जाएंगे। 11 मई को मतदान होगा। उन्होंने बताया कि नगर निकाय का निर्वाचन उम्मीदवार के लिए अध्यक्ष के लिए 30 वर्ष आयु होनी चाहिए व सदस्य के लिए 21 वर्ष उम्र होनी चाहिए।अध्यक्ष को नगरपालिका, नगर पंचायत का वोटर होना जरूरी है। अपर जिलाधिकारीध्उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर ने समस्त विभागीय अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारी से रूबरू कराया उन्होंने कहा सभी अधिकारी इलेक्शन में मिली समस्त जिम्मेदारियों को सत्य निष्ठा, ईमानदारी लगन और तत्परता के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करें अधिकारी की कार्यशैली का चुनाव में ही पता लगता है। इस अवसर पर समस्त उपजिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी न्यायिक प्रियंका चौधरी, जिला विकास अधिकारी शेषमणि सिंह, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, मुख्य कोषाधिकारी विनोद कुमार, एस.ओ.सी. मेघवरण, जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार मिश्र, उप कृषि निदेशक अरविन्द कुमार विश्वकर्मा, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी सच्चिदानन्द सिंह, आदि उपस्थित रहे।

बांसी भारतीय डाकघर बना दिखावा,दिन भर लोग रहे परेशान

सुषमा मिश्रा / दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी, सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ नगर भारत सरकार द्वारा स्थापित भारतीय डाकघर बांसी शाखा इन दिनों काफी चर्चा में है जहां काम को लेकर ग्रामीण दूर इलाकों से बांसी के भारतीय डाकघर ब्रांच पर आते हैं लेकिन विद्युत व्यवस्था सही ना होने से इनके काम नहीं हो पाता और वापस लौट जाते हैं ऐसा नहीं है कि ऐसा पहली बार हो रहा है इस तरह की समस्याएं यहां पर अक्सर हो जाती हैं जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है यही हालत गुरूवार को रही, जिसमें दूरदराज से आये झगरु यादव, शिवपूजन ,अनुपमा सिंह आदि कार्य ना होने से मायूस होकर घर लौटने पर मजबूर हुये। आपको बता दें कि यहां जनरेटर भी स्थापित है लेकिन कर्मचारियों की लापरवाही के चलते जनरेटर चलाने की कोई जहमत नहीं उठाना चाहता है यही कारण है कि यहां विद्युत व्यवस्था हमेशा बदहाल रहती है और आम आदमी इससे काफी परेशान रहता हैफोटो 08,09

अब प्रत्येक महीने मे 4 बार होगा सुरक्षित मातृत्व अभियान का संचालन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। भारत सरकार की अति महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का संचालन शासनादेश के अनुसार जो महीने मे पहले 9 और 24 तारीख को संचालन हो रहा था तो जनसंख्या को देखते हुए शासनादेश इसको अब प्रत्येक महीने मे 01, 09, 16 और 24 को सुनिश्चित किया गया है जिसमे सभी गर्भवती महिलाओं, चेकअप और डिलेवरी महिलाओं को घर से लाने और ले जाने की अच्छी सुविधा 102 एंबुलेंस के द्वारा दिया जा रहा है जिसमे प्रोग्राम मैनेजर अजय कुमार ने आशा और आंगनबाड़ी कार्यकत्री स्टाफ को एंबुलेंस सेवा लेने का सलाह दी।

राकसंप ने दिव्यांगों को ड्यूटी के मुक्त करने की माँग डीएम से की

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर ।राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने नगर निकाय निर्वाचन में दिव्यांग कर्मचारियों को ड्यूटी से मुक्त रखने की माँग डीएम से की है ।राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष सुजीत कुमार जायसवाल एवं जिलामंत्री राजेश कुमार मिश्रा ने जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी को लिखे पत्र में लिखा कि नगर निकाय के निर्वाचन में दिव्यांगो,गर्भवती महिलाओं,बीमार कर्मचारी तथा पति पत्नी के सरकारी सेवा में होने पर केवल पति की नगर निकाय के निर्वाचन में ड्यूटी लगाने की मांग की है। कर्मचारी नेता द्वय ने लिखा कि नगर निकाय के निर्वाचन में लगे कार्मिकों की समस्याओं के निदान हेतु अलग काउंटर भी खोलने की भी मांग की है।

डुमरियागंज में मनरेगा के लिए 27 करोड़ 64 लाख का बजट पारित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज। नगर पंचायत के एक मैरिज हाल में गुरुवार को क्षेत्र पंचायत सदस्यों की आवश्यक बैठक बुलाई गई। जिसमें वित्तीय वर्ष 2023–24 में गांव के विकास के लिए डुमरियागंज में मनरेगा के लिए 27 करोड़ 64 लाख का बजट पारित किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद जगदंबिका पाल व विधायक सैयदा खातून मौजूद रहे।क्षेत्र पंचायत की आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि गांव के विकास से ही प्रदेश से लेकर देश का विकास होता है। जिसके लिए केंद्र की मोदी व प्रदेश की योगी सरकार लगातार प्रयासरत है। और इस मद में भरपूर पैसे भी दे रही है। बस जरूरत है जो भी जिम्मेदार गांव के विकास के लिए नेतृत्व कर रहे हैं वह अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी के साथ करें। विधायक सैयदा खातून ने कहा कि क्षेत्र पंचायत की बैठक में जो बजट पारित किया गया है उससे चौमुखी विकास होने की प्रबल संभावना है। उन्होंने कहा कि जो भी मेरे द्वारा सहयोग क्षेत्र पंचायत सदस्यों के लिए होगा उसके लिए वह तत्पर है। बजट पारित होने से मनरेगा मजदूरों को रोजगार का अवसर गांव में मिलने से गरीबी व भुखमरी से निजात मिलेगी । जिससे सरकार की मंशा भी पूरी होगी। बैठक के दौरान डुमरियागंज ब्लॉक प्रमुख मानती त्रिपाठी, बीडीओ अमित सिंह, एडीओ पंचायत बृजेश गुप्ता, एडीओ आईएसबी शिव बहादुर, आईएसबी मानसी पटेल, कमलेश चौरसिया,एपीओ अमित कुमार, कमलेश चौरसिया, विष्णु श्रीवास्तव, राकेश पाण्डेय, दिलीप पांडे उर्फ छोटे, जहीर फारूकी, हरिशंकर सिंह आदि उपस्थित रहे।

एच डी एफ सी बैंक शाखा का डीएम ने किया उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जनपद मुख्यालय पर बांसी स्टैंड के पास गुरुवार

को एचडीएफसी बैंक के दूसरे शाखा का उद्घाटन हुआ। जिलाधिकारी संजीव रंजन व मुख्य विकास अधिकारी जयेंद्र कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में एचडीएफसी बैंक का आठवां शाखा खुल रहा हैध्। यह एक सुव्यवस्थित बैंक हैं और ग्राहकों को अच्छी सेवाएं प्रदान करता है। क्लस्टर हेड करुणा सागर त्रिपाठी ने कहा कि हमेशा हमारा यही लक्ष्य रहता है, कि ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं दी जाए। ग्राहकों की मांग को देखते हुए यह शाखा खोली गई है। उन्होंने सभी बैंक कर्मचारियों को बधाई देते हुए यह कहा कि आप लोगों की मेहनत, लगन व समर्पण तथा ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं देने के कारण बैंक हमेशा अग्रणी रहता है। शाखा प्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने आगन्तुको का अभिनन्दन व्यक्त किया। इस दौरान उप्र प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राधेरमण त्रिपाठी सईद अहमद संतोष विश्वकर्मा, अभय श्रीवास्तव, इंद्रसेन सिंह लालजी यादव अरुण सिंह राजू छापड़िया, अभिषेक अग्रहरि,मो. असलम खां उमाशंकर पांडेय कमलेश कर पाठक रीमा यादव आदि मौजूद रहे।

मार्वेलस कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर का हुआ शुभारंभ

भाजपा मंडल अध्यक्ष नितेश पाण्डेय ने किया सेंटर का शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बर्डपुर,सिद्धार्थनगर। मार्वेलस एजुकेशन (Thinking of future) कम्प्यूटर ट्रेनिंग सेंटर (नगर पंचायत कपिलवस्तु के बर्डपुर बाजार पल्टादेवी रोड स्थित का उद्घाटन भाजपा मंडल अध्यक्ष नितेश पाण्डेय ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा की आज के आधुनिक युग में कंप्यूटर शिक्षा का बहुत ही विशेष महत्व है। शिक्षा के क्षेत्र से लेकर के स्वास्थ्य खेल तथा अनेकों आयाम ऑनलाइन प्रक्रिया से जुड़ चुके हैं इसलिए सभी को कंप्यूटर शिक्षा का ग्रहण अत्यंत ही आवश्यक है। उक्त कंप्यूटर सेंटर के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के लिए बेहतर शिक्षा ग्रहण कर आधुनिक युग में अपने भविष्य को उज्जवल बनाने का अवसर है वहीं आगामी समयों में रोजगार भी स्थापित कर सकेंगे। इस दौरान उक्त कंप्यूटर सेंटर के डायरेक्टर सत्यनारायण कसौधन जयराम यादव राकेश मिश्रा सुमित कुमार गिरी अजय प्रजापति अंकित जयसवाल राहुल प्रजापति आदि मौजूद रहे।

विद्यालय में बार्षिक उत्सव का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

छावनी,बस्ती। विक्रमजोत शिक्षा क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय कुंवागांव में वार्षिकोत्सव समारोह व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया मुख्यअतिथि खंड शिक्षा अधिकारी विक्रमजोत ममता सिंह ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का सुभारंभ किया तथा विघालय के बच्चे माँ सरस्वती वन्दना एंव स्वागत गीत प्रस्तुत किया तथा अन्य बच्चों ने सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर

नाटक प्रस्तुत किया विभिन्न सांस्कृतिक नृत्य से बच्चो ने सभी का मन मोह लिया कार्यक्रम में अभिभावकों की जबरदस्त भीड़ रही कार्यक्रम के मुख्य आयोजक सहायक अध्यापक अमित पाण्डेय ने अतिथियों से कक्षा में प्रथम ,द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चो को पुरस्कृत करवाया अभय भट्ट, शिवम, आंचल ,आकृति, अंशिका अमन, शुभम, राकेश, साक्षी, दामिनी, सीमा अंशिका विश्वकर्मा, संध्या, शिवराज दीपक, रागिनी, मानशी, पल्लवी और श्रद्धा ने पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन सिराज अहमद ने किया इस मौके पर प्रदीप कुमार, अमित पाण्डेय, महेंद्र ,अनिल ,समिता सरोज, उमा यादव, सुनीता देवी, ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, संतोष शुक्ला, रजनीश मिश्र, सिराज अहमद, प्रदीप कुमार, अजीत सिंह ,ज्ञान प्रकाश, रामशंकर आदि समस्त शिक्षक एंव अभिभावक उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत–गुरवल विकास खण्ड–घोरावाल, जनपद सोनभद्र

अल्पकालीन निविदा/कोटेशन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत **गुरवल** में वित्तीय वर्ष 2023–2024 में बी०आर०जी०एफ० / जिला योजना अन्तर्गत / स्वछ भारत मिशन क अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्य / मनरेगा / पंचम राज्य वित्त / पन्द्रहवां वित्त एवं अन्य प्राप्त निधियों द्वारा धनराशि से निमार्ण कराये जाने हेतु व्यापारकर विभाग आयकर में पंजीकृत फर्मो के द्वारा ग्राम पंचायत परिधि के अन्दर निम्न विवरणानुसार कार्यस्थल पर सामाग्री आपूर्ति कराने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता फर्म के लेटर पैड पर दिनांक 17.04.2023 से 25.04.2023 तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर शीलबन्द निविदा जमा कर सकतें है। जिसे दिनांक– 28.04.2023 को 011 बजे समिति टेण्डर दाताओं जो उपस्थित रहना चाहते है के समक्ष खोला जायेगा।

1.	ईट प्रथम श्रेणी एवं द्वितिय श्रेणी	प्रति हजार
2.	इण्टरलाकिंग ईट	प्रतिनग
3.	मोटा बालू, महीन बालू	प्रति धनमीटर
4.	मोरंग	प्रति धनमीटर
5.	सीमेन्ट	प्रतिबोरी
6.	गिट्टी सोलिंग 40–90 / 40–50 / 45–90 एन०एम०	धनमीटर
7.	डाला गट्टी–सभी साइज प्रति	धनमीटर
8.	सरिया	प्रति कुंतल
9.	हैडपंप / रिबोर सामाग्री	प्रतिनग
10.	जे०सी०बी० / कन्प्रेसर / मेव्वर मशीन	प्रति घण्टा
11.	टैक्टर द्वारा मिट्टी की ढुलाइ	प्रति ट्रैक्टर
12.	बोल्डर ढोका 6.9 इंच	प्रतिनग
13.	हयूम पाईप	प्रति धनमीटर
14.	फावड़ा, गोइता, तगाड़ी पन्नी	प्रतिनग
15.	स्ट्रीट लाईट / वायरिंग सामाग्री सोलर लाईट पैनल सहित	प्रतिनग
16.	शौचालय दरवाजा, सीट, पत्थर	प्रतिनग
17.	टाइल्स, प्लास्टिक सीट, पेन्ट, डिस्टेम्पर,प्राइमर, डी०पी०सी० पाउडर आदि	प्रतिनग
18.	पानी का टैंकर / समरसेबुल	अदद
19.	लोहे का दरवाजा / एल्मुनियम का दरवाजा	कुंतल अदद
20.	स्टोन ड्रस्ट	प्रति धनमीटर
21.	बिजली वायरिंग से सम्बन्धित सामाग्री	प्रतिनग
22.	रिबोर से सम्बन्धित सामाग्री।	
23.	स्वछता सम्बन्धित किट।	

प्रतिबन्ध एवं शर्ते– 1. निविदा में सम्मिलित दरें सभी कर सहित एवं लोक निर्माण विभाग की स्वीकृत दर से अधिक नहीं होनी चाहिए। 2. कार्य विवरण एवं सामाग्री सम्बन्धित जानकारी किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। सामाग्री की आपुर्ति कार्य स्वीकृत होने के उपरान्त की जायेगी तथा सामाग्री कार्यस्थल पहुॅचाने की जिम्मेदारी सम्बन्धित फर्म का होगा। 3. जमानत धनराशि व अन्य जानकारी प्राप्ति हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय में सम्पर्क कर सकतें है। खराब आपूर्ति की दशा में जमानत की राशि जप्त कर ली जायेगी। 4. सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। 5. बिना कारण बताये किसी भी समय निविदा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा।

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत–गुरवल
वि0 खंड–घोरावल
जनपद–सोनभद्र

सचिव
ग्राम पंचायत–गुरवल
वि0 खंड–घोरावल
जनपद–सोनभद्र

रैली निकाल लोगों को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला,गोरखपुर। गोला क्षेत्र के आचार्य चाणक्य विद्या पीठ बाड़े पार में तृदिवसिय स्काउट गाइड का आयोजन चल रहा है। इस आयोजन के दुसरे दिन विद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा जन जागरुकता रैली निकाली रैली को विद्यालय के प्रबंधक विपिन राय ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस रैली में सभी छात्र अपने हाथों में दष्थी पर आधी रोटी खाएंगे, स्कूल पढ़ने जाएंगे, पेड़ पौधा लगाएंगे, जिवन हम बचाएंगे, स्वच्छ भारत सुंदर भारत आदि लिखा स्लोगन लेकर चल रहे थे। यह रैली बाड़ेपार विद्यालय से निकल कर गंगवल, डाड़ी खास, गोविंदपुर होते हुए ।पुनः विद्यालय पर आ कर समाप्त हुई। रैली का संचालन स्काउट गाइड प्रशिक्षक राजू मौर्य ने किया। इस अवसर पर शिव कुमार, अजय गोड़, प्रदीप शर्मा, अर्चना पाण्डेय, ज्योति सहित समस्त शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी शामिल थे।

सम्पादकीय

चीन ने अरुणाचल प्रदेश में 11 भौगोलिक रचनाओं के चीनी नामों की घोषणा की है। चीन अरुणाचल को तिब्बत का दक्षिणी हिस्सा श्जांगनानश कहता है और उसे अपना हिस्सा मानता है। प्रदेश को लेकर चीन की यह तीसरी सूची है। चीन सरकार ने इस तरह के छह स्थानों के चीनी नामों की सूची पहली बार 2017 में जारी की थी। कुल ...

नाम में जो रखा है

यह चीन भी जानता है कि उसके कुछ स्थानों के नाम बदल देने से अरुणाचल प्रदेश की स्थिति में वास्तव में कोई बदलाव आने नहीं वाला है। इसके बावजूद वह ऐसा करता है, तो इसके पीछे उसकी सोची–समझी रणनीति है। भारत ने यह उचित कहा है कि अरुणाचल प्रदेश में 11 जगहों के नाम बदलने के चीन के एलान से हकीकत में कुछ नहीं बदलेगा। भारत के इस बयान भी सटीक है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और रहेगा। इसके बावजूद नाम बदलने की घटना को हलके से लेना ठीक नहीं होगा। यह चीन भी जानता है कि उसके कुछ स्थानों के नाम बदल देने से अरुणाचल प्रदेश की स्थिति में वास्तव में कोई बदलाव आने नहीं वाला है। इसके बावजूद वह ऐसा करता है, तो इसके पीछे उसकी सोची–समझी रणनीति है। इसके जरिए वह इस प्रदेश पर अपना दावा गरम रखना चाहता है। इसका इस्तेमाल वह भारत से सीमा विवाद पर होने वाली वार्ता में सौदेबाजी के तौर पर करेगा। कुछ रोज पहले चीन की तरफ से एक बयान आया था, जिसमें कहा गया कि लद्दाख इलाके में तीन साल पहले सीमा पर जो अस्थिरता बनी थी, वह अब दूर हो

गई है। यानी चीन यह मान रहा है कि लद्दाख की तरफ अब कोई समस्या नहीं है। इसलिए वह सीमा के पूर्वी तरफ स्थिति को गरमा रहा है। पश्चिम में उठे विवाद पर भारत सरकार मजबूती दिखाने में विफल रही। यहां तक कि प्रधानमंत्री ने यह कह दिया कि सीमा पर कोई घुसपैठ नहीं हुई है। इससे चीन का काम आसान हो गया। लेकिन उससे चीन के इरादे शांत नहीं हुए। चीन का मनोबल विदेश मंत्री के इस बयान से भी बढ़ा हो सकता है कि अपेक्षाकृत कमजोर अर्थव्यवस्था वाला भारत मजबूत चीन से युद्ध नहीं कर सकता। तो अब अरुणाचल में उसका असर देखने को मिला है। चीन ने अरुणाचल प्रदेश में 11 भौगोलिक रचनाओं के चीनी नामों की घोषणा की है। चीन अरुणाचल को तिब्बत का दक्षिणी हिस्सा श्जांगनान्‍य कहता है और उसे अपना हिस्सा मानता है। प्रदेश को लेकर चीन की यह तीसरी सूची है। चीन सरकार ने इस तरह के छह स्थानों के चीनी नामों की सूची पहली बार 2017 में जारी की थी। कुल मिलाकर चीन अभी तक इस तरह अरुणाचल के 32 स्थानों की चीनी नामों की सूची जारी कर चुका है।

किस अवांछित कारोबारी से मिलते हैं राहुल?

यह बहुत गंभीर आरोप है कि राहुल गांधी विदेश जाते हैं तो अवांछित कारोबारियों से मिलते हैं। कांग्रेस छोडने वाले गुलाम नबी आजाद ने यह आरोप लगाया है, जिस पर भाजपा ने राहुल को निशाना बनाया है और उनसे पूछा है कि वे बताएं कि जब वे विदेश जाते हैं तो किन कारोबारियों से मिलते हैं। आजाद ने दसों उदाहरण देने की बात कही है। हालांकि उन्होंने नाम किसी का नहीं लिया है। लेकिन अगर भाजपा ने राहुल पर हमला करने के लिए उनकी बात का संज्ञान लिया है तो क्या सरकार और केंद्रीय एजेंसियों को इसका संज्ञान नहीं लेना चाहिए? केंद्रीय एजेंसियों को संज्ञान लेकर आजाद से पूछताछ करनी चाहिए कि राहुल विदेश जाते हैं तो किन कारोबारियों से मिलते हैं और उसका क्या मकसत होता है। आजाद ने नेहरू गांधी परिवार के लोगों के कारोबारियों से मिलने के बात कही है लेकिन इसमें कोई दिक्कत नहीं है। असली दिक्कत वाली बात अवांछित कारोबारियों से मिलने की है, जिसके बाद भाजपा ने कहा कि विदेश से लौट कर राहुल केंद्र सरकार पर ज्यादा हमलावर हो जाते हैं। इसका मतलब है कि विदेश में वे ऐसे अवांछित कारोबारी से मिलते हैं, जिसका एजेंडा भारत सरकार के विरोध का होता है। वह कारोबारी भारत का कोई नागरिक है या विदेशी नागरिक है? सरकार का विरोध कराने का उसका क्या एजेंडा है? इन सवालों के जवाब हासिल करने की जरूरत है। इसमें संदेह नहीं है कि अगर आजाद के पास ऐसी कोई जानकारी है तो वह भाजपा को और सरकार को मिल चुकी होगी। अब सवाल है कि उस जानकारी पर सरकार कब कार्रवाई करेगी? वह देशहित में तत्काल कार्रवाई करेगी या चुनाव का इंतजार करेगी?

भीमकाय तानाशाह पड़ोसी के साये में छोटे सा प्रजातंत्र!

एक छोटा सा प्रजातंत्र अपने भीमकाय तानाशाह पड़ोसी के सामने सीना तान कर खड़ा हुआ है, पर पूरे परिदृश्य को इस रूप में देखना ठीक नहीं होगा। अमरीका की ढुलमुल नीति ने हालात को और गंभीर बनाया है। यूएस कौंसिल अश्वन फश्वरेन रिलेशंस के मुखिया रिचर्ड हास ने यूक्रेन पर हमले के ठीक पहले प्रकाशित अपने लेख में चेतावनी दी थी कि बाईडेन में श्रणनीतिक स्पष्टताश के कमी के चलते...

श्रुति व्यास

चीन खम ठोंक रहा है। शनिवार को उसने ताईवान के आसपास विशाल सैन्य अभ्यास शुरू किया। इस तीन दिन के ऑपरेशन युनाईटेड शार्प स्वार्ड में ताईवान की घेराबंदी का अभ्यास किया है। लड़ाकू विमान, युद्धपोत और सैनिकों की ताईवान स्ट्रेट के वायु तथा समुद्री क्षेत्रों में कूंच है। मतलब श्ताइवान के लिए कड़ी चेतावनीच् । इधर ताईवान की राष्ट्रपति त्साई इंग–वेन अमेरिका गईं और वहां उनकी मुलाकात हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव्स के स्पीकर केविन मेकार्थी से हुई तो उधर चीन तिलमिलाया और उसने अपने गुस्से का इजहार करने के लिए ताइवान की घेराबंदी की। जाहिर है त्साई की यात्रा से चीन और अमेरिका के रिश्तों में कड़वाहट बढ़ी है वही ताईवान में भी अंदरूनी तनाव में इजाफा हुआ है। पिछले वर्ष भी अमेरिका की तत्कालीन स्पीकर नेन्सी पिलोसी की ताईवान यात्रा के बाद चीन ने ऐसे ही गुस्सा दिखाया था।

चीन का दावा है कि ताईवान उसका हिस्सा है। उसे चीन में शामिल करेगा, भले ही इसके लिए उसे बल का इस्तेमाल क्यों न करना पड़े, यह उसका सार्वभौमिक अधिकार है।निसंदेह युद्ध की नौबत ताईवान के 2.30 करोड़ निवासियों के लिए अत्यंत भयावह होगी और दुनिया पर इसके दूरगामी दुष्प्रभाव पड़ेंगे। चीन अगर ताईवान पर हमला करता है तो अमरीका, और संभवतरू जापान, आस्ट्रेलिया और ब्रिटेन भी इस युद्ध में घसीट लिए जाएंगे।ताईवान की लड़ाई आकार और खतरे दोनों दृष्टियों से यूक्रेन से बड़े होंगे।

कई लोगों का मानना है कि हमले का खतरा बढ़ता जा रहा है। विशेषकर चीन की सत्ता शी जिन पिंग के हाथ में मजबूत होते जाने और ताईवान ही नहीं बल्कि सभी अंतर्राष्ट्रीय मसलों पर उनके आक्रामक रूख के चलते। पिछले महीने शी ने इस स्व–शासित द्वीपको चीन में शामिल करने का संकल्प दुहराया। उन्होंने कहाँ, ष्हमें बाहरी शक्तियों और ताईवान की स्वंतत्रता संबंधी अलगाववादी गतिविधियों का कड़ा विरोध करना चाहिए। हमें राष्ट्रीय पुनर्जागरण व पुनरूएकीकरण के कार्य में अडिगता से जुटे रहना चाहिए।ष शी ने नेशनल पीपुल्स कांग्रेस को संबोधित करते हुए सैन्य शक्ति के इस्तेमाल से इंकार नहीं किया।

इस मामले मेंअमेरिका की ढुलमुल नीति है। वह ताईवान पर चीन की सार्वभौमिकता को स्वीकार नहीं करता लेकिन वह ताईवान को एक स्वतंत्र देश का दर्जा भी नहीं देता। उसके केवल चीन से कूटनीतिक संबंध हैं (हालांकि वह ताईवान को हथियार देता है)।

शक नहीं कि पिलोसी की यात्रा के बाद से चीन, अमरीका और ताईवान के आपसी रिश्तों में बदलाव आया है। ताइवान चीन से खिसक रहा है और रूस–यूक्रेन युद्ध से यह दूरी और बढी है। दो पीढ़ी पहले तक ताईवान में सैनिक तानाशाही थी और शासन गुओमिंदांग या केएमटी नामक चीनी राष्ट्रवादी पार्टी के हाथों में था जो सिद्धांत के स्तर पर स्वीकार करती थी कि ताईवान चीन का हिस्सा है।

आज ताइवान एक फलता–फूलता लोकतंत्र है जहां सत्ता राष्ट्रपति त्साई इंग–वेन और उनकी स्वतंत्रता समर्थक डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) के हाथ में है। यद्यपि सन् 2024 में होने वाले चुनाव से ताईवान की आंतरिक स्थिति में परिवर्तन हो सकता है। त्साई अगला चुनाव शायद नहीं लड़े। यह साफ नहीं है कि राष्ट्रपति के पद पर उनका उत्तराधिकारी कौन होगा और यह भी क्या सत्ता पर स्वतंत्रता–समर्थक डीपीपी का कब्जा बना रहेगा। उनकी पार्टी की मुख्य प्रतिद्वंद्वी गुओमिंदांग (केएमटी) का दावा है कि डीपीपी ने चीन से रिश्ते खराब कर लिए हैं और हम इन्हें सुधारेंगे।

हालांकि केएमटी चीन समर्थक नहीं है लेकिन उसका मानना है कि चीन से शांतिपूर्ण संबंध बने रहने चाहिए। पूर्व केएमटी नेता मा इंग–जो, जो 2008 से लेकर 2006 तक ताइवान के राष्ट्रपति थे, के कार्यकाल में ताइवान और चीन के सम्बन्ध अत्यंत मधुर थे। दोनों देशों ने 23 व्यापार संधियों पर हस्ताक्षर किये थे, दोनों के बीच सीधी उड़ानें शुरू हुईं थी। स्कूली बच्चों का एक्सचेंज प्रोग्राम चला करता था। हाल में मा इंग–जो चीन की यात्रा पर गए थे जिससे उलझन और बढ़ी है।

राजनैतिक और रणनीतिक दृ दोनों दृष्टियों से ताइवान स्ट्रेट अनिश्चितिता के पंजे में है।इलाके में खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। अगर देश में सत्ता परिवर्तन होता है तो उससे भी टकराव बढेगा ही क्योंकि ताइवान के 60 प्रतिशत से अधिक नागरिक अब स्वयं को केवल ताईवानी के रूप में देखते हैं।

एक छोटा सा प्रजातंत्र अपने भीमकाय तानाशाह पड़ोसी के सामने सीना तान कर खड़ा हुआ है, पर पूरे परिदृश्य को इस रूप में देखना ठीक नहीं होगा। अमरीका की ढुलमुल नीति ने हालात को और गंभीर बनाया है। यूएस कौंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस के मुखिया रिचर्ड हास ने यूक्रेन पर हमले के ठीक पहले प्रकाशित अपने लेख में चेतावनी दी थी कि बाईडेन में श्रणनीतिक स्पष्टताच् के कमी के चलते, पुतिन की तरह शी भी हालात का आंकलन करने में गंभीर भूल करने की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।

हालांकि, याचिकाकर्ताओं में से एक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की ओर से वकील शादन फरासत ने कहा कि इस मामले की सुनवाई पांच न्यायाधीशों की पीठ द्वारा की जानी चाहिए, क्योंकि इसका प्रभाव लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था और राजनीतिक दलों के फंडिंग पर पड़ रहा है। एक एनजीओ याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने जवाब देने में देरी करने की ...

चुनावी बॉन्ड की बिक्री पर अंतरिम रोक लोकतंत्र के हित में होगी

नित्य चक्रवर्ती

चुनावी बॉन्ड की 25वीं किश्त के मामले में नरेंद्र मोदी सरकार ने मूलभूत नैतिकता का उल्लंघन किया तथा पिछले साल 7 नवंबर को चुनावी बॉन्ड योजना के नियमों में हड़बड़ी में संशोधन किया तथा अतिरिक्त पंद्रह दिनों के लिए बिक्री की अनुमति दी गई, एक वैसे समय में जब राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों में चुनाव होने थे। चुनावी बॉन्ड की 26वीं किश्त 3 अप्रैल से बिक्री पर रखी गई है और यह 12 अप्रैल तक जारी रहेगी। कर्नाटक विधानसभा चुनाव 10 मई को होने हैं। चुनावी बॉन्ड के प्रमुख लाभार्थी, इससे मिले धन का पूरा उपयोग करने की स्थिति में होंगे जो इस महत्वपूर्ण राज्य के चुनाव प्रचार और अन्य खर्चों के लिए बांड से हुई आय से उपलब्ध होगा। भाजपा के पास बड़े पैमाने पर वित्तीय संसाधन हैं, लेकिन कुछ अतिरिक्त का हमेशा स्वागत है, खासकर कर्नाटक चुनावों के बाद जहां लालची विधायकों के फर्श को पार करने में नकदी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। चुनावी बॉन्ड की 25वीं किश्त के मामले में नरेंद्र मोदी सरकार ने मूलभूत नैतिकता का उल्लंघन किया तथा पिछले साल 7 नवंबर को चुनावी बॉन्ड योजना के नियमों में हड़बड़ी में संशोधन किया तथा अतिरिक्त पंद्रह दिनों के लिए बिक्री की अनुमति दी गई, एक वैसे समय में जब राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों में चुनाव होने थे।

मूल चुनावी बॉन्ड योजना, 2017 के विरूद्ध याचिका पहले से ही सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है और अगली सुनवाई इसी सप्ताह होने की उम्मीद है। इस 2017 अधिनियम के प्रावधानों को कानूनी विशेषज्ञों द्वारा पहले ही चुनौती दी जा चुकी है और यहां तक कि चुनाव आयोग ने भी कुछ प्रावधानों के बारे में संदेह व्यक्त किया है। चुनावी बॉन्ड की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका दायर करने वाले वकील बॉन्ड के आगे चलन पर रोक चाहते थे, लेकिन इसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था। बांड जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर के महीनों में 10 दिनों की अवधि के लिए खरीद के लिए उपलब्ध हैं। आम चुनाव के वर्षों में अतिरिक्त30 दिनों की विंडो की अनुमति है। अब नवीनतम संशोधन के माध्यम से, केंद्र ने पिछले साल हिमाचल और गुजरात में विधानसभा चुनाव से पहले नवंबर 2022 में एक और किश्त की अनुमति दी। निर्धारित बिक्री इस साल 19 जनवरी से 28 जनवरी तक हुई थी। जुलाई 2022 की बिक्री में, चुनावी बॉन्ड के माध्यम से कुल रुपए 10,246 करोड़ आये थे। अक्टूबर 2022 के चंदे का आंकड़ा अभी उपलब्ध नहीं है लेकिन 2020–21 वित्तीय वर्ष के आंकड़े बताते हैं कि भाजपा को वित्त वर्ष के दौरान जुटाये गये कुल धन का 75 प्रतिशत हिस्सा मिला। जनवरी 2018 में चुनावी बांड की बिक्री शुरू होने के बाद से पिछले पांच वर्षों में, भाजपा ने कर्नाटक, और मध्यप्रदेश में राज्य सरकारों को अस्थिर करने में हजारों करोड़ रुपये खर्च किए हैं और गोवा और मणिपुर में सरकार बनाने के लिए विधायक खरीदे हैं। महाराष्ट्र में, यह दिन के उजाले की तरह स्पष्ट था कि जुलाई 2022 में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना से एकनाथ शिंदे समूह के दल–बदल को सुनिश्चित करने के लिए भारी धन जुटाया गया था। इसके बाद वहां शिंदे–भाजपा की सरकार बनी। विपक्षी सरकारों को अस्थिर करने के इन सभी कदमों में, भाजपा ने कॉरपोरेट चंदे, चुनावी बॉन्ड के पैसे और विदेशी चंदे के माध्यम से जुटाये गये अपने विशाल उपलब्धान का उपयोग किया। कर्नाटक में, वर्तमान भाजपा सरकार को 40 प्रतिशत सरकार के रूप में जाना जाता है क्योंकि सभी निजी अनुबंधों के लिए ठेकेदारों को संबंधित भाजपा नेताओं को 40 प्रतिशत राशि का भुगतान करना होता है। इसी तरह, पांच चुनावी ट्रस्टों ने मिलकर 2021–22 में भाजपा को 481 करोड़ रुपये से अधिक के अपने कुल योगदान का 72 प्रतिशत वितरित किया, जबकि कांग्रेस ने किटी का मात्र 3.8 प्रतिशत हिस्सा साझा किया। बॉन्ड या पोल ट्रस्ट से फंडिंग भाजपा के लिए एकतरफा रास्ता है क्योंकि चंदा देने वाली कंपनियां केंद्र में सत्ताधारी पार्टी को नाराज कर आईटी विभाग, सीबीआई या ईडी के माध्यम से कार्रवाई को आमंत्रित नहीं करना चाहती हैं। यह स्पष्ट था क्योंकि राहुल गांधी के साथ बातचीत के बाद बजाज परिवार के वंशज राजीव बजाज केंद्रीय एजेंसियों के हमलों से आशंकित थे। भारतीय कारपोरेटों में यह डर इस कदर हावी है कि औद्योगिक घरानों के नौजवान वंशज जो भाजपा को पसंद नहीं करते और भविष्योन्मुखी हैं, वे भी चुप रहते हैं क्योंकि वे केवल कुछ उदारवादियों के लिए अपनी कंपनियों के भविष्य को जोखिम में डालने के लिए तैयार नहीं हैं। शुद्ध परिणाम यह है कि चुनावों में कोई समान अवसर नहीं है। भाजपा विपक्षी दलों की तुलना में दस गुना से अधिक पैसा खर्च करने की स्थिति में है। इसके पास जरूरत पड़ने पर दलबदल कराने के लिए एक विशाल राजनीतिक युद्ध कोष है। मोदी शासन के पिछले नौ वर्षों में, भारतीय कॉर्पोरेट क्षेत्र में धन का असामान्य संकेन्द्रण हुआ है। हाल के एक अध्ययन से पता चलता है कि भारत की बीस सबसे अधिक लाभदायक फर्मों ने 1990 में कुल कॉर्पोरेट मुनाफे का 14 प्रतिशत, 2010 में 30 प्रतिशत और 2019 में 70 प्रतिशत अर्जित किया। इसका मतलब यह है कि नरेंद्र मोदी के शासन के पहले पांच वर्षों के दौरान कुछ कॉरपोरेट घरानों में धन के संकेंद्रण में तेजी से उछाल आया था। पिछले चार वर्षों में इस प्रक्रिया को और बल मिला होगा। विपक्षी दलों को भारतीय क्रोनी पूंजीपतियों और मोदी शासन के बीच इस लेन–देन पर ध्यान देना होगा और इस बात की जांच की मांग करनी होगी कि इस दीर्घकालिक व्यवस्था के तहत बड़े कॉरपोरेट कैसे सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा को फंडिंग कर रहे हैं। चुनावी बांड योजना में नवीनतम संशोधन भाजपा की उस रणनीति का हिस्सा है जिसमें वह विपक्ष को चुनाव में बराबरी का मौका न देकर पंगु बना देने पर उतारू है। सर्वोच्च न्यायालय अपनी अगली सुनवाई में इस बात पर विचार करेगा कि क्या केंद्र सरकार की 2018 की चुनावी बॉन्ड पेश करने की योजना को दी गई चुनौती को अदालत की पांच–न्यायाधीशों की संविधान पीठ को भेजा जाना चाहिए? एक खंडपीठ, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ. डी.वाई.चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी.एस.नरसिम्हा शामिल हैं, ने इसी उद्देश्य के लिए मामले को 13 अप्रैल को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। केंद्र सरकार ने पिछली सुनवाई में अपना जवाबी हलफनामा दायर करने के लिए समय मांगा था। पीठ इस मामले को अंतिम निस्तारण के लिए दो मई को सूचीबद्ध करने पर विचार कर रही थी।

कार्यालय : ग्राम पंचायत-कड़जहवा
विकास खण्ड-जोगिया,जनपद-सिद्धार्थनगर

-:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:-

ग्राम पंचायत **कड़जहवा** विकासखंड जोगिया द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना चौदहवां/पंद्रहवां वित्त/ राज्य वित्त तेरहवां वित्त/ पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि स्वच्छ भारत मिशन फेज–2 योजनान्तर्गत वर्ष 2023–24 मे स्वीकृत तथा कराए जाने वाले कार्यो हेतु प्रथम श्रेणी ईट इंटरलॉकिंग ईट बालू सीमेंट मोरंग पेन्ट सरिया वायरिंग पत्थर बोर्ड ईट का टुकड़ा हैंडपंप मरम्मत रिवोर सामग्री कुर्सी मेज अलमारी रवीश विद्युत सामग्री सैनिटाइजर फागिंग मशीन चुना ब्लीचींग सफाई किट स्टेशनरी कूड़ा कूलर पंखा पब्लिक बेंच इत्यादि प्रथम पत्थर की गिट्टी सोडियम लाइट सोलर लाइट स्ट्रीट लाइट से संबंधित सामग्री इत्यादि की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांक 21/04/2023 को समय 3:00 बजे तक समग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय **कड़जहवा** के निविदा बॉक्स में डाली जाएगी। निविदा उसी दिन समय 4:00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जाएगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जाएंगी।

नियम व शर्तें–1 जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा।–2 आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा 3 वर्ष का आयकर क्लियरेन्स संलग्न होगा।–3 ग्राम पंचायत सचिव ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेंडर खोला जाएगा।–4 सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि मे स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।–5 जो दरे प्रस्तुत की जाए वह वैट कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाएं 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान के आदेश पर ही किया जाएगा। 7. सामग्री की मात्रा घटाई व बढ़ाई जा सकती है।8. प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होंगी।9. आपूर्तिकर्ता की 2. 24: आयकर देना होगा।10. ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान सचिव सदस्य बीडीसी जिला पंचायत तकनीकी सहायक ग्राम रोजगार सेवक पंचायत सहायक आदि कर्मचारियों सें सगे संबंधी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जाएंगी उक्त आशय की नोटरी शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। 11. सीमेंट की आपूर्ति हेतु संबंधित के पास डीलरशिप/एजेंसी होना अनिवार्य है अन्यथा की दशा में आपूर्तिकर्ताको आपूर्ति हेतु खरीदी गई सीमेंट का पक्का बिल प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। 12.निविदा को बिना बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव ग्राम प्रधान के पास होगा।13. स्वीकृत आपूर्ति को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जाएगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जाएगा। 14. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंक के एफडीआर एवं एनएससी डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत सजनी के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 15. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 7 दिवस के अंदर सामग्री आपूर्ति ना करने की दशा में धरोहर राशि/जप्त कर ली जाएगी।16. निविदा फार्म ग्राम पंचायत **कड़जहवा** कार्यालय से प्राप्त किया जा सकेगा। 17. सामग्री की आपूर्ति के संबंध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **कड़जहवा** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान
प्रधान
ग्राम पं0-कड़जहवा
वि0 खंड-जोगिया
जनपद-सिद्धार्थनगर

सचिव
परमात्मा यादव
ग्राम पं0-कड़जहवा
वि0 खंड-जोगिया
जनपद-सिद्धार्थनगर

कार्यालय : ग्राम पंचायत-मझवन
विकास खण्ड-जोगिया,जनपद-सिद्धार्थनगर

-:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:-

ग्राम पंचायत **मझवन** विकासखंड जोगिया द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना चौदहवां/पंद्रहवां वित्त/ राज्य वित्त तेरहवां वित्त/ पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि स्वच्छ भारत मिशन फेज–2 योजनान्तर्गत वर्ष 2023–24 मे स्वीकृत तथा कराए जाने वाले कार्यो हेतु प्रथम श्रेणी ईट इंटरलॉकिंग ईट बालू सीमेंट मोरंग पेन्ट सरिया वायरिंग पत्थर बोर्ड ईट का टुकड़ा हैंडपंप मरम्मत रिवोर सामग्री कुर्सी मेज अलमारी रवीश विद्युत सामग्री सैनिटाइजर फागिंग मशीन चुना ब्लीचींग सफाई किट स्टेशनरी कूड़ा कूलर पंखा पब्लिक बेंच इत्यादि प्रथम पत्थर की गिट्टी सोडियम लाइट सोलर लाइट स्ट्रीट लाइट से संबंधित सामग्री इत्यादि की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांक 22/04/2023 को समय 1:00 बजे तक समग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय **मझवन** के निविदा बॉक्स में डाली जाएगी। निविदा उसी दिन समय 2:00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जाएगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जाएंगी।

नियम व शर्तें–1 जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा।–2 आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा 3 वर्ष का आयकर क्लियरेन्स संलग्न होगा।–3 ग्राम पंचायत सचिव ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेंडर खोला जाएगा।–4 सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि मे स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।–5 जो दरे प्रस्तुत की जाए वह वैट कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाएं 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान के आदेश पर ही किया जाएगा। 7. सामग्री की मात्रा घटाई व बढ़ाई जा सकती है।8. प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होंगी।9. आपूर्तिकर्ता की 2. 24: आयकर देना होगा।10. ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान सचिव सदस्य बीडीसी जिला पंचायत तकनीकी सहायक ग्राम रोजगार सेवक पंचायत सहायक आदि कर्मचारियों सें सगे संबंधी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जाएंगी उक्त आशय की नोटरी शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। 11. सीमेंट की आपूर्ति हेतु संबंधित के पास डीलरशिप/एजेंसी होना अनिवार्य है अन्यथा की दशा में आपूर्तिकर्ताको आपूर्ति हेतु खरीदी गई सीमेंट का पक्का बिल प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। 12.निविदा को बिना बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव ग्राम प्रधान के पास होगा।13. स्वीकृत आपूर्ति को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जाएगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जाएगा। 14. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंक के एफडीआर एवं एनएससी डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत सजनी के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 15. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 7 दिवस के अंदर सामग्री आपूर्ति ना करने की दशा में धरोहर राशि/जप्त कर ली जाएगी।16. निविदा फार्म ग्राम पंचायत **मझवन** कार्यालय से प्राप्त किया जा सकेगा। 17. सामग्री की आपूर्ति के संबंध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **मझवन** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान
प्रधान
ग्राम पं0-मझवन
वि0 खंड-जोगिया
जनपद-सिद्धार्थनगर

सचिव
परमात्मा यादव
ग्राम पं0-मझवन
वि0 खंड-जोगिया
जनपद-सिद्धार्थनगर

कार्यालय : ग्राम पंचायत-अहड़ी
विकास खण्ड-जोगिया,जनपद-सिद्धार्थनगर

-:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:-

ग्राम पंचायत **अहड़ी** विकासखंड जोगिया द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना चौदहवां/पंद्रहवां वित्त/ राज्य वित्त तेरहवां वित्त/ पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि स्वच्छ भारत मिशन फेज–2 योजनान्तर्गत वर्ष 2023–24 मे स्वीकृत तथा कराए जाने वाले कार्यो हेतु प्रथम श्रेणी ईट इंटरलॉकिंग ईट बालू सीमेंट मोरंग पेन्ट सरिया वायरिंग पत्थर बोर्ड ईट का टुकड़ा हैंडपंप मरम्मत रिवोर सामग्री कुर्सी मेज अलमारी रवीश विद्युत सामग्री सैनिटाइजर फागिंग मशीन चुना ब्लीचींग सफाई किट स्टेशनरी कूड़ा कूलर पंखा पब्लिक बेंच इत्यादि प्रथम पत्थर की गिट्टी सोडियम लाइट सोलर लाइट स्ट्रीट लाइट से संबंधित सामग्री इत्यादि की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांक 21/04/2023 को समय 1:00 बजे तक समग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय **अहड़ी** के निविदा बॉक्स में डाली जाएगी। निविदा उसी दिन समय 2:00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जाएगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जाएंगी।

नियम व शर्तें–1 जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा।–2 आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा 3 वर्ष का आयकर क्लियरेन्स संलग्न होगा।–3 ग्राम पंचायत सचिव ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेंडर खोला जाएगा।–4 सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि मे स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।–5 जो दरे प्रस्तुत की जाए वह वैट कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाएं 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान के आदेश पर ही किया जाएगा। 7. सामग्री की मात्रा घटाई व बढ़ाई जा सकती है।8. प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होंगी।9. आपूर्तिकर्ता की 2. 24: आयकर देना होगा।10. ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान सचिव सदस्य बीडीसी जिला पंचायत तकनीकी सहायक ग्राम रोजगार सेवक पंचायत सहायक आदि कर्मचारियों सें सगे संबंधी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जाएंगी उक्त आशय की नोटरी शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। 11. सीमेंट की आपूर्ति हेतु संबंधित के पास डीलरशिप/एजेंसी होना अनिवार्य है अन्यथा की दशा में आपूर्तिकर्ताको आपूर्ति हेतु खरीदी गई सीमेंट का पक्का बिल प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। 12.निविदा को बिना बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव ग्राम प्रधान के पास होगा।13. स्वीकृत आपूर्ति को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जाएगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जाएगा। 14. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंक के एफडीआर एवं एनएससी डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत सजनी के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 15. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 7 दिवस के अंदर सामग्री आपूर्ति ना करने की दशा में धरोहर राशि/जप्त कर ली जाएगी।16. निविदा फार्म ग्राम पंचायत **अहड़ी** कार्यालय से प्राप्त किया जा सकेगा। 17. सामग्री की आपूर्ति के संबंध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **अहड़ी** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान
रमजान अली
ग्राम पं0-अहड़ी
वि0 खंड-जोगिया
जनपद-सिद्धार्थनगर

सचिव
परमात्मा यादव
ग्राम पं0-अहड़ी
वि0 खंड-जोगिया
जनपद-सिद्धार्थनगर

कार्यालय :ग्राम पंचायत-खरचौला
विकास खण्ड-मिठवल,जनपद-सिद्धार्थनगर

-:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:-

वर्ष 2023–24 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां/पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 19.04.2023 को अपराह्न 02.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 03.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 19.04.2023 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **खरचौला** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5000 (पांच हजार) रुपये होगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड्र खोला जायेगा।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़घ्कर प्रस्तुत की जाये।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २. २४प्रतिशत आयकर देना होगा।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।10.निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **खरचौला** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **खरचौला** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।
14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तं व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **खरचौला** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान
कुसुम देवी
ग्राम पंचायत-खरचौला
वि0 खंड-मिठवल
जनपद-सिद्धार्थनगर

सचिव
कुवंर कन्नौजिया
ग्राम पंचायत-खरचौला
वि0 खंड-मिठवल
जनपद-सिद्धार्थनगर

कार्यालय :ग्राम पंचायत-जाल्हेखोर
विकास खण्ड-बांसी,जनपद-सिद्धार्थनगर

-:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:-

वर्ष 2023–24 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां/पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 23.04.2023 को अपराह्न 11.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 1.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 23.04.2023 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **जाल्हेखोर** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5000 (पांच हजार) रुपये होगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड्र खोला जायेगा।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़घ्कर प्रस्तुत की जाये।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २. २४प्रतिशत आयकर देना होगा।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।10.निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **जाल्हेखोर** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **जाल्हेखोर** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तं व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **जाल्हेखोर** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान
ओम प्रकाश द्विवेदी
ग्राम पंचायत-जाल्हेखोर
वि0 खंड-बांसी
जनपद-सिद्धार्थनगर

सचिव
अंकित कुमार
ग्राम पंचायत-जाल्हेखोर
वि0 खंड-बांसी
जनपद-सिद्धार्थनगर

कार्यलय ग्राम पंचायत-सिलहटा
विकास खण्ड-करमा, जनपद सोनभद्र

अल्पकालीन निविदा/कोटेशन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत **सिलहटा** में वित्तीय वर्ष 2023–2024 में बी०आर०जी०एफ०/जिला योजना अन्तर्गत/स्वछ भारत मिशन क अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्य/मनरेगा/पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवां वित्त एवं अन्य प्राप्त निधियों द्वारा धनराशि से निमार्ण कराये जाने हेतु व्यापारकर विभाग आयकर में पंजीकृत फर्मो के द्वारा ग्राम पंचायत परिधि के अन्दर निम्न विवरणानुसार कार्यस्थल पर सामाग्री आपूर्ति कराने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता फर्म के लेटर पैड पर दिनांक 19.04.2023 तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर शीलबन्द निविदा जमा कर सकतें है। जिसे दिनांक– 20.04.2023 को 11 बजे समिति टेण्डर दाताओं जो उपस्थित रहना चाहते है के समक्ष खोला जायेगा।

1.	ईट प्रथम श्रेणी एवं द्वितिय श्रेणी	प्रति हजार
2.	इण्टरलाकिंग ईट	प्रतिनग
3.	मोटा बालू, महीन बालू	प्रति धनमीटर
4.	मोरंग	प्रति धनमीटर
5.	सीमेन्ट	प्रतिबोरी
6.	गिट्टी सोलिंग 40–90/40–50/45–90 एन०एम०	धनमीटर
7.	डाला गट्टी–सभी साइज प्रति	धनमीटर
8.	सरिया	प्रति कुंतल
9.	हैडपंप/रिबोर सामाग्री	प्रतिनग
10.	जे०सी०बी०/कन्प्रेसर/मेव्वर मशीन	प्रति घण्टा
11.	टैक्टर द्वारा मिट्टी की ढुलाइ	प्रति ट्रैक्टर
12.	बोल्डर ढोका 6.9 इंच	प्रतिनग
13.	हयूम पाईप	प्रति धनमीटर
14.	फावड़ा, गोइता, तगाड़ी पन्नी	प्रतिनग
15.	स्ट्रीट लाईट/वायरिंग सामाग्री सोलर लाईट पैनल सहित	प्रतिनग
16.	शौचालय दरवाजा, सीट, पत्थर	प्रतिनग
17.	टाइल्स, प्लास्टिक सीट, पेन्ट, डिस्टेम्पर,प्राइमर, डी०पी०सी० पाउडर आदि	प्रतिनग
18.	पानी का टैंकर/समरसेबुल	अदद
19.	लोहे का दरवाजा/एल्मुनियम का दरवाजा	कुंतल अदद
20.	स्टोन ड्रस्ट	प्रति धनमीटर
21.	बिजली वायरिंग से सम्बन्धित सामाग्री	प्रतिनग
22.	रिबोर से सम्बन्धित सामाग्री।	
23.	स्वछता सम्बन्धित किट।	

प्रतिबन्ध एवं शर्ते– 1. निविदा में सम्मिलित दरें सभी कर सहित एवं लोक निर्माण विभाग की स्वीकृत दर से अधिक नहीं होनी चाहिए। 2. कार्य विवरण एवं सामाग्री सम्बन्धित जानकारी किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। सामाग्री की आपुर्ति कार्य स्वीकृत होने के उपरान्त की जायेगी तथा सामाग्री कार्यस्थल पहुॅचाने की जिम्मेदारी सम्बन्धित फर्म का होगा। 3. जमानत धनराशि व अन्य जानकारी प्राप्ति हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय में सम्पर्क कर सकतें है। खराब आपूर्ति की दशा में जमानत की राशि जप्त कर ली जायेगी। 4. सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। 5. बिना कारण बताये किसी भी समय निविदा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा।

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत-सिलहटा
वि0 खंड-करमा
जनपद-सोनभद्र

सचिव
ग्राम पंचायत-सिलहटा
वि0 खंड-करमा
जनपद-सोनभद्र

कार्यलय ग्राम पंचायत-शिवद्वार
विकास खण्ड-घोरावाल, जनपद सोनभद्र

अल्पकालीन निविदा/कोटेशन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत **शिवद्वार** में वित्तीय वर्ष 2023–2024 में बी०आर०जी०एफ०/जिला योजना अन्तर्गत/स्वछ भारत मिशन क अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्य/मनरेगा/पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवां वित्त एवं अन्य प्राप्त निधियों द्वारा धनराशि से निमार्ण कराये जाने हेतु व्यापारकर विभाग आयकर में पंजीकृत फर्मो के द्वारा ग्राम पंचायत परिधि के अन्दर निम्न विवरणानुसार कार्यस्थल पर सामाग्री आपूर्ति कराने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता फर्म के लेटर पैड पर दिनांक 17.04.2023 से 25.04.2023 तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर शीलबन्द निविदा जमा कर सकतें है। जिसे दिनांक– 26.04.2023 को 03 बजे समिति टेण्डर दाताओं जो उपस्थित रहना चाहते है के समक्ष खोला जायेगा।

1.	ईट प्रथम श्रेणी एवं द्वितिय श्रेणी	प्रति हजार
2.	इण्टरलाकिंग ईट	प्रतिनग
3.	मोटा बालू, महीन बालू	प्रति धनमीटर
4.	मोरंग	प्रति धनमीटर
5.	सीमेन्ट	प्रतिबोरी
6.	गिट्टी सोलिंग 40–90/40–50/45–90 एन०एम०	धनमीटर
7.	डाला गट्टी–सभी साइज प्रति	धनमीटर
8.	सरिया	प्रति कुंतल
9.	हैडपंप/रिबोर सामाग्री	प्रतिनग
10.	जे०सी०बी०/कन्प्रेसर/मेव्वर मशीन	प्रति घण्टा
11.	टैक्टर द्वारा मिट्टी की ढुलाइ	प्रति ट्रैक्टर
12.	बोल्डर ढोका 6.9 इंच	प्रतिनग
13.	हयूम पाईप	प्रति धनमीटर
14.	फावड़ा, गोइता, तगाड़ी पन्नी	प्रतिनग
15.	स्ट्रीट लाईट/वायरिंग सामाग्री सोलर लाईट पैनल सहित	प्रतिनग
16.	शौचालय दरवाजा, सीट, पत्थर	प्रतिनग
17.	टाइल्स, प्लास्टिक सीट, पेन्ट, डिस्टेम्पर,प्राइमर, डी०पी०सी० पाउडर आदि	प्रतिनग
18.	पानी का टैंकर/समरसेबुल	अदद
19.	लोहे का दरवाजा/एल्मुनियम का दरवाजा	कुंतल अदद
20.	स्टोन ड्रस्ट	प्रति धनमीटर
21.	बिजली वायरिंग से सम्बन्धित सामाग्री	प्रतिनग
22.	रिबोर से सम्बन्धित सामाग्री।	
23.	स्वछता सम्बन्धित किट।	

प्रतिबन्ध एवं शर्ते– 1. निविदा में सम्मिलित दरें सभी कर सहित एवं लोक निर्माण विभाग की स्वीकृत दर से अधिक नहीं होनी चाहिए। 2. कार्य विवरण एवं सामाग्री सम्बन्धित जानकारी किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। सामाग्री की आपुर्ति कार्य स्वीकृत होने के उपरान्त की जायेगी तथा सामाग्री कार्यस्थल पहुॅचाने की जिम्मेदारी सम्बन्धित फर्म का होगा। 3. जमानत धनराशि व अन्य जानकारी प्राप्ति हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय में सम्पर्क कर सकतें है। खराब आपूर्ति की दशा में जमानत की राशि जप्त कर ली जायेगी। 4. सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। 5. बिना कारण बताये किसी भी समय निविदा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा।

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत-शिवद्वार
वि0 खंड-घोरावल
जनपद-सोनभद्र

सचिव
ग्राम पंचायत-शिवद्वार
वि0 खंड-घोरावल
जनपद-सोनभद्र

चूल्हे की चिंगारी से लगी आग, एक झोपड़ी और लाखों का सामान जला

कंचनपुर। तरकुलवा थाना क्षेत्र के मैंनपुर गांव में बुधवार दोपहर में चूल्हे से निकली चिंगारी से एक झोपड़ी में आग लग गई। इससे उसमें रखा जल गया। आसपास के लोगों ने आग बुझाई। मैंनपुर गांव निवासी आनंद सिंह पुत्र श्यामलाल के घर अचानक चूल्हे से निकली चिंगारी से बुधवार दोपहर में आग लग गई, जिससे घर में रखा जानवरों के लिए भूसा, दो साइकिल, एक टेलर तथा गन्ना पेरने वाली कोल्हू मशीन जल गई। आनंद ने बताया कि आग से करीब दो लाख से अधिक का नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने अथक प्रयास करके आग पर काबू पाया।

आग से पांच एकड़ गेहूं की फसल जली

कंचनपुर। तरकुलवा थाना क्षेत्र के बंजरिया गांव के बाहर गेहूं की फसल में बुधवार दोपहर में अचानक आग लग गई। इससे गांव के आध ाा दर्जन से अधिक किसानों की खेत में खड़ी लगभग पांच एकड़ फसल जलकर राख हो गई। आसपास के लोगों ने काफी मशक्कत करके पंपिंग सेट के सहारे आग को बुझाया। आग लगने से महेंद्र सिंह का बीस कट्ठा, सुरेश सिंह का बीस कट्ठा, रमाशंकर व रामकेवल (दोनों भाई) का एक एकड़, मोहन शर्मा व शंभू सिंह का आठ–आठ कट्ठा, हारिकेवल का 15 कट्ठा, भोला सिंह का दस कट्ठा और सुरेश सिंह जो बाबूपट्टी के एक किसान का खेत रेहन लिए थे, उनका बीस कट्ठा गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो गई।

भूसा बनाने वाली मशीन की चिंगारी से लगी आग

कंचनपुर। तरकुलवा थानाक्षेत्र के महुअवा बजराटार गांव में बुधवार दोपहर में भूसा बनाने वाली मशीन से निकली चिंगारी से आग लग गई। इससे तीन किसानों की 40 कट्ठा गेहूं की फसल जल गई। आसपास के लोगों के सहयोग से दमकल गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। राजस्व विभाग की टीम ने नुकसान का जायजा लिया और रिपोर्ट अधिकारियों को भेज दी। आसपास के लोगों ने बताया कि गांव के बाहर जिन किसानों ने कंबाइन मशीन से अपनी गेहूं की फसल कटवा ली थी, उनके खेत में पराली से भूसा बनाने वाली मशीन चल रही थी। इसी दौरान मशीन से निकली चिंगारी से आग लग गई। तेज पछुआ हवा के झोंकों के साथ आग की लपट बगल में स्थित किसान वृद्धिचंद यादव के गेहूं की खड़ी फसल में पकड़ ली और पल भर में उनकी 20 कट्ठा गेहूं की फसल राख हो गई। आग की लपट बगल के रमाशंकर प्रजापति और शंकर विंद के खेत में लग गई, जिससे उन दोनों किसानों की 10–10 कट्ठा गेहूं की खड़ी फसल जल गई।

भाटपार रानी में मिला एक युवक कोरोना पॉजिटिव

भाटपार रानी। क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर बुधवार को जांच के दौरान 18 वर्षीय युवक कोरोना पॉजिटिव पाया गया। वह बनारस में रहता था। हाल ही में घर आया है। सर्दी–जुकाम और बुखार होने पर वह इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भाटपारानी पर आया था। संदेह होने पर चिकित्सक ने उसकी जांच कराई। जांच के दौरान वह पॉजिटिव पाया गया। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. इमाम हुसैन सिद्दीकी ने बताया कि युवक कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। उसे आवश्यक दवा देकर होम आइसोलेशन में भेज दिया गया है। उस पर निगाह रखी जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

भिटौली। थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत बलुआ में बुधवार सुबह नौ बजे यासमीन खातून (23) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शव उसके कमरे से मिला है। ग्राम प्रधान की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका यासमीन खातून के भाई परसा खुर्द निवासी नियाजुल हक ने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष के लोग हमेशा दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। उन्होंने यह भी बताया कि मौके पर जब मैं पहुंचा तो मेरी बहन फर्श पर मृत पड़ी थी और ससुराल के लोग जिस पंखे में फंदा लगाने की बात कर रहे थे। उसके नीचे बेड पर मच्छरदानी लगी हुई थी और उतारी भी नहीं गई थी। मृतका यासमीन खातून की मां नाजमा खातून का कहना है कि बुधवार सुबह जब हम लोग सहरी खा रहे थे। तब मैंने अपनी बेटी से बात की तो सब कुछ ठीक था। कोई परेशानी की बात नहीं बताई। मृत यासमीन खातून के पति अब्दुल वहाब सऊदी में हैं। ससुर हैदर अली, सास आशिया खातून व देवर अब्दुल वफा घर पर ही रहते हैं। मृतक यासमीन खातून के ससुर हैदर अली को पुलिस थाने लाकर पूछताछ कर रही है। देवर अब्दुल वफा व सास आशिया खातून घर से फरार हैं। यासमीन खातून की छह माह की बेटी पड़ोसी साबरी के घर है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार राय ने बताया कि प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। तहरीर मिलने पर जांच–पड़ताल के बाद कार्रवाई की जाएगी।

बाइक से जा रही मां के हाथ से गिरा नवजात, दो घंटे बाद पता चला

निचलौल। थाना क्षेत्र के निचलौल सिंदुरिया मार्ग पर बरोहिया और मदनपुरा गांव के बीच सड़क के किनारे बुधवार सुबह करीब साढ़े दस बजे एक घायल नवजात को राहगीरों ने देखा। निचलौल से सिंदुरिया की ओर जा रहे पिकअप चालक आलम निवासी भागाटार ने लोगों की मदद से घायल नवजात को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगदौर में भर्ती कराया। इसी बीच अस्पताल में चाइल्ड लाइन और पुलिस टीम पहुंचकर नवजात किसका है, पता लगाने में जुट गई। करीब दो घंटे बाद नवजात का पता लगाते अस्पताल पर परिजन भी आ पहुंचे। टीम परिजनों से पूछताछ कर नवजात को कब्जे में लेकर बाल कल्याण समिति चली गई। नवजात को खोजते अस्पताल पहुंची नवजात की मां दिव्या भारती निवासी बजहा उर्फ अहिरौली ने बताया कि पति दयानंद करीब सात महीने पहले रोजी–रोटी के सिलसिले में मलेशिया कमाने चले गए हैं। 10 दिन पहले बच्चे को जन्म दिया। जिसकी तबीयत खराब होने पर पति के मौसी के बेटे आनंद भारती निवासी रमपुरवा के साथ बाइक से बच्चे को इलाज कराने के लिए जिला मुख्यालय जा रही थी। इसी बीच बरोहिया और मदनपुरा गांव के बीच बच्चा हाथ से छूट गिर गया। इसकी उन्हें जानकारी नहीं हुई। मुख्यालय पहुंचने के बाद गोद में बच्चे को न देखकर बदहवास हो गईं। वह बच्चे की तलाश कर रही थीं। इसी बीच जानकारी मिली कि सड़क पर गिरे एक बच्चे को जगदौर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंचकर देखा तो बच्चे का इलाज चल रहा था। उसके बाद उसने राहत की सांस ली। चाइल्ड लाइन के सदस्य पिंटू कुमार ने बताया कि नवजात को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया जाएगा।

बेटी को राप्ती नदी में फेंक कर पुल से कूद गई मां, दोनों की मौत

पटना जाने की बात कह ई–रिक्शा से पुल तक आई थी महिला

बरहज। क्षेत्र के कपरवार स्थित उग्रसेन सेतु से बुधवार की दोपहर एक महिला अपनी बेटी को लेकर नदी में कूद गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से करीब एक घंटे के प्रयास के बाद मां–बेटी को नदी से बाहर निकालवाया। जिनकी मौके पर मौत हो गई थी। महिला की पहचान बढ़या फुलवरिया निवासी सत्यप्रकाश की पत्नी पदमा उर्फ वर्षा (30) और उसके आठ माह की पुत्री आराध्या के रूप में हुई। मां–बेटी के मौत की जानकारी होने पर गांव में सनसनी है। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। हालांकि अभी तहरीर नहीं मिली है, लेकिन पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

कपरवार मायके आई पदमा उर्फ वर्षा अपनी बच्ची आराध्या के साथ बरामदे में बैठी हुई थी। वह दोपहर को चौराहे पर गई थी। जहां पटना चौराहा जाने के लिए ई–रिक्शा से चल दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पुल पर उसने ई–रिक्शा रोकवा कर बच्ची को नदी में फेंक कर छलांग लगा दी। राप्ती नदी में महिला को कूदते देख लोग शोर मचाने लगे। सूचना पर सहयोगी के साथ कांस्टेबल धीरज पहुंच गए। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से पानी में बह रहे दोनों को बाहर निकलवाया, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। पदमा उर्फ वर्षा और उसकी पुत्री आराध्या के मौत की जानकारी होने पर मायके कपरवार पूरब टोला निवासी जनार्दन मिश्र के परिजन और ससुराल वाले भी नदी तट पर पहुंच गए। दोनों का शव देखकर रोना–पीटना मच गया। परिजनों के अनुसार वह 10 दिन पूर्व मायके कपरवार आई थी। मानसिक बीमार होने के कारण उसकी दवा चलती है। इंस्पेक्टर कपिल देव चौधरी ने बताया कि पंचनामा कराकर शव को कब्जे में ले लिया गया है।

रिश्तों में शक की वजह तो नहीं बनी आत्महत्याः बरहज। भलुअनी थाना क्षेत्र के बढ़या फुलवरिया गांव निवासी महिला पदमा उर्फ वर्षा ने जिस बेटी को अपने कलेजे के टुकड़े की तरह मानती थी उसे लेकर नदी में छलांग लगा दी। इस घटना की वजह पारिवारिक विवाद ही बताया जा रहा है। गांव में चर्चा है कि पति–पत्नी के बीच शक की दीवार थी। इसके कारण यह घटना हुई है। पुलिस सूत्रों की बातों पर गौर किया जाए तो जांच पड़ताल में यह बात सामने आई है कि महिला अक्सर मोबाइल से बातें करती थी। वह पति पर भी आए दिन शक करती थी। शादी के बाद से ही वह गांव में रहना नहीं चाहती थी। इसको लेकर एक बार और विवाद हुआ था। इसके बाद मायके और ससुराल पक्ष के बीच पंचायत भी हुई थी। समझौता होने के बाद मामला शांत हो गया था। बुधवार को महिला घर से निकलने से पहले काफी देर तक मोबाइल से बात की थी। पुलिस इस मामले की तह तक पहुंचने में जुटी है कि उसकी लंबे समय तक किससे बात होती थी। एक बात तो साफ है कि पति–पत्नी का आपसी सामंजस्य नहीं बैठता था, जिसके चलते रिश्ते में दरार भी पैदा हो गई थी। सीओ बरहज अंशुमन श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों पक्ष उनके पास आए थे। पहले तो पोस्टमार्टम के लिए तैयार नहीं हो रहे थे, लेकिन कानूनी प्रक्रिया के तहत पोस्टमार्टम कराने के लिए शव देवरिया भेज दिया गया है। आत्महत्या का कारण पारिवारिक विवाद ही है, जिसकी जांच की जा रही है। हर बिंदुओं की गहनता से जांच करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दो दिन पूर्व कपरवार आया था पतिः बरहज। क्षेत्र के कपरवार पूरब टोला निवासी जनार्दन तिवारी के चार संतानों में पदमा उर्फ वर्षा तीसरे नंबर की थी। इसकी शादी बढ़या फुलवरिया गांव निवासी सत्यप्रकाश से हुई है। उसे दो संतान रुद्रांश और आराध्या हैं। सत्यप्रकाश दो दिन पूर्व कपरवार ससुराल आया था। जो बेटे रुद्रांश को साथ लेकर गांव चला गया। पदमा भी दो दिन बाद ससुराल जाने वाली थी, लेकिन होनी को कौन टाल सकता है। दोनों की मौत से परिजन और ससुराल के लोग हतप्रभ हैं।

सुसाइट प्वाइंट बना उग्रसेन सेतु, 12 से अधिक लोगों की जा चुकी है जानः बरहज। क्षेत्र के कपरवार के राप्ती नदी तट स्थित उग्रसेन सेतु सुसाइट प्वाइंट बन चुका है। पुल से नदी में कूदकर करीब एक दर्जन से अधिक लोग जान गवां चुके हैं। इसको देखते हुए ग्रामीणों ने पूर्व जिलाधिकारी अनीता श्रीवास्तव से पुल के रेलिंग पर जाली लगवाने की मांग की थी, लेकिन पूर्व डीएम के आदेश के बाद भी अब तक जाली नहीं लग सकी है।

रामजानकी मार्ग स्थित राप्ती नदी तट पर पुल निर्माण कराया गया है। जो गोरखपुर जनपद के अलावा बनारस, मऊ, आजमगढ़, गाजीपुर आदि जिलों को जोड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार पुल निर्माण के कुछ माह बाद गांव के ही नन्हें ने नदी में छलांग लगा दी थी, जिससे डूबने से उनकी मौत हो गई थी। 16 मार्च को सुरौली थाना क्षेत्र के बरडीहा अली निवासी अखिलेश प्रजापति किसी बात को लेकर पत्नी से विवाद के बाद नदी में कूदकर जान दे दिए थे। जयनगर के 65 वर्षीय राधेश्याम मद्धेशिया पुत्र पुरुषोत्तम सहित हीरामन परसियां आदि जगहों के दर्जनों लोग नदी में छलांग लगाकर अपनी इहलीला समाप्त कर चुके हैं। पुल से आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को लेकर गांव के देवेश सिंह, ज्ञानेश्वर सिंह, हनुमान गुप्त, अखिलेश सिंह आदि ने तत्कालीन डीएम अनीता श्रीवास्तव से पुल के रेलिंग पर जाली लगवाने की मांग किया था। जिस पर उन्होंने आश्वासन दिया था।

विडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री ने 71,000 नवनियुक्त कर्मियों को नियुक्ति पत्र वितरण का रिमोट बटन दबाकर किया शुभारम्भ

भारत, विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एकःप्रधनमंत्री

गोरखपुर। 'मिशन रिक्रूटमेंट' के तहत 10 लाख कर्मियों के लिये भर्ती अभियान के अर्न्तगत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 13 अप्रैल, 2023 को 10:30 बजे 'रोजगार मेला–4' के मुख्य कार्यक्रम स्थल नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के 71,000 नवनियुक्त कर्मियों को नियुक्ति पत्र वितरण का शुभारम्भ रिमोट बटन दबाकर किया। प्रधानमंत्री मोदी ने लखनऊ एवं इज्जतनगर (बरेली) सहित 45 केन्द्रों पर आयोजित रोजगार मेला–2023 में नवनियुक्त अभ्यर्थियों को सम्बोधित करते हुये उनके उज्ज्वल भविष्य एवं बैसाखी की शुभकामनायें तथा बधाई दी। लखनऊ में आयोजित रोजगार मेला कार्यक्रम में भारी उद्योग मंत्री, भारत सरकार डॉ० महेन्द्र नाथ पाण्डेय तथा इज्जतनगर (बरेली) में गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार अजय कुमार मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय रोजगार मेले को सम्बोधित किया। उन्होंने विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त कर्मियों को लगभग 71,000 नियुक्ति पत्र वितरित किए। देश भर से चुने गए नवनियुक्त कर्मियों को भारत सरकार के तहत ट्रेन मैनेजर, स्टेशन मास्टर, वरिष्ठ वाणिज्यिक लिपिक सह टिकट लिपिक, इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, कांस्टेबल, स्टेनोग्राफर, कनिष्ठ लेखापाल, डाक सहायक, इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, टैक्स सहायक, सीनियर ड्राफ्ट्समैन, जेई ध सुपरवाइजर, सहायक प्रोफेसर, शिक्षक, पुस्तकालयाध्यक्ष, नर्स, परिवीक्षा अधिकारी, पीए, एमटीएस और अन्य जैसे पदों पर कार्य करने के लिए शामिल किया जाएगा। नवनियुक्त कर्मियों को 'कर्मयोगी प्रारंभ' के माध्यम से स्वयं को प्रशिक्षित करने का अवसर भी मिलेगा, जो विभिन्न सरकारी विभागों में सभी नवनियुक्त कर्मियों के लिए एक ऑनलाइन उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत, विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि आज का नया भारत उन नीतियों और रणनीतियों के साथ आगे बढ़ रहा है, जिन्होंने नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद भारत ने एक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाया है, जो पहले के समय के प्रतिक्रिया आधारित दृष्टिकोण के विपरीत है। इसका परिणाम यह हुआ है कि 21वीं सदी का यह तीसरा दशक रोजगार और स्व–रोजगार के उन अवसरों का गवाह बन रहा है, जिनकी पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। युवाओं को काम करने के ऐसे क्षेत्र मिल रहे हैं, जो दस साल पहले अस्तित्व में ही नहीं थे। स्टार्टअप्स और भारतीय युवाओं के उत्साह का उदाहरण देते हुये प्रधानमंत्री ने एक रिपोर्ट का उल्लेख किया जिसमें कहा गया था कि स्टार्टअप्स ने रोजगार के 40 लाख से अधिक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष अवसर सृजित किये हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान की सोच और दृष्टिकोण स्वदेशी अपनाने और स्थानीय उत्पाद पर जोर (वोकल फॉर लोकल) देने से भी आगे की बात है। आत्मनिर्भर भारत अभियान गांवों से शहरों तक रोजगार के करोड़ों अवसर पैदा करने का अभियान है। उन्होंने स्वदेशी रूप से निर्मित आधुनिक उपग्रहों और सेमी हाई स्पीड ट्रेनों का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि पिछले 8–9 वर्षों में भारत में 30000 से अधिक एल.एच.बी. कोच का निर्माण किया गया है। इन कोचों के लिये प्रौद्योगिकी और कच्चे माल की जरूरत ने भारत में रोजगार के हजारों अवसर सृजित किये हैं। दशकों से प्रचलित इस पुरानी मानसिकता का खंडन करते हुए कि भारत में रक्षा उपकरण केवल आयात ही किए जा सकते हैं, प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकार ने स्वदेशी निर्माताओं पर भरोसा करके इस दृष्टिकोण को बदल दिया है। इसके परिणामस्वरूप सशस्त्र बलों ने 300 से अधिक ऐसे उपकरणों और हथियारों की एक सूची बनाई है जिनका निर्माण केवल भारत में ही किया जायेगा। उन्होंने कहा कि ध 15,000 करोड़ मूल्य के रक्षा उपकरणों का निर्यात दुनिया भर में किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने रोजगार सृजन के मामले में बुनियादी ढांचे में निवेश की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पूंजीगत व्यय पर जोर दिए जाने के कारण सड़क, रेलवे, बंदरगाह और भवन जैसे बुनियादी ढांचे का निर्माण हो रहा है। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की रोजगार क्षमता पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने बताया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान पूंजीगत व्यय में चार गुना बढ़ोतरी हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय रेलवे ने 2014 से पहले के सात दशकों के दौरान जहां केवल 20,000 किलोमीटर रेल लाइनों का ही विद्युतीकरण हुआ था, वहीं पिछले 09 सालों के दौरान 40,000 किलोमीटर रेल लाइनों का विद्युतीकरण किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि मेट्रो रेल लाइन बिछाने का काम 2014 से पहले 600 मीटर प्रति माह था जो आज बढ़कर 6 किलोमीटर प्रति माह हो गया है। उन्होंने कहा कि जब गांवों तक सड़कें पहुंचती हैं, तो इससे पूरे इकोसिस्टम में तेजी से रोजगार का सृजन होता है। नियुक्ति पत्र पाने वाले लोगों को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश 2047 तक विकसित भारत बनने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है, यह देश के विकास में योगदान देने का अवसर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज आप एक सरकारी कर्मचारी के रूप में अपनी यात्रा शुरू कर रहे हैं। इस यात्रा के दौरान, आपको उन बातों को हमेशा याद रखना चाहिए जिन्हें आप एक आम नागरिक के रूप में महसूस किया करते थे। नवनियुक्त अभ्यर्थियों की सरकार से होने वाली अपेक्षाओं को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अब यह उनकी जिम्मेदारी है कि वे दूसरों की अपेक्षाओं को पूरा करें। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि काम पर सकारात्मक प्रभाव पैदा करने और आम आदमी के जीवन को बेहतर बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए। अपने सम्बोधन का समापन करते हुए, प्रधानमंत्री ने नवनियुक्त अभ्यर्थियों से अपनी सीखने की प्रक्रिया को नहीं रोकने का आग्रह किया और कहा कि कुछ नया जानने या सीखने की प्रकृति कार्य और व्यक्तित्व दोनों में परिलक्षित होती है। उन्होंने उन्हें ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म आई.जी.ओ.टी. कर्मयोगी से जुड़कर अपने कौशल को उन्नत करने की भी सलाह दी। इसी परिप्रेक्ष्य में लखनऊ स्थित इन्दिरा प्रतिष्ठान, गोमतीनगर में आयोजित रोजगार मेला–4 समारोह के मुख्य अतिथि भारी उद्योग मंत्री, भारत सरकार, डॉ० महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने कहा कि नियुक्ति पत्र पाने वाले युवाओं के जीवन का मंगल दिन है, सभी युवाओं को बहुत–बहुत बधाई। श्री पाण्डेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में भारत सरकार के 'मिशन रिक्रूटमेंट' के तहत 10 लाख कर्मियों के लिये भर्ती अभियान के क्रम में रोजगार मेला–2023 का कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। पिछले नौ वर्ष से नौकरियों की हर श्रेणी में पादर्शिता बरती जा रही हैं। केन्द्र सरकार के विभिन्न मिशन है जैसे, डिजिटल इण्डिया, स्मार्ट सिटी, अटल मिशन, बुनियादी ढाँचा विकास, सभी के लिये आवास, यह सभी मिशन रोजगार के अवसर प्रदान कर रहे हैं। इसके पश्चात उन्होंने उपस्थित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इससे पूर्व, मण्डल रेल प्रबन्धकध्लखनऊ, पूर्वोत्तर रेलवे आदित्य कुमार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भारी उद्योग मंत्री, भारत सरकार डॉ० महेन्द्र नाथ पांडेय का हार्दिक स्वागत करते हुये कहा कि इस कार्यक्रम में आये हुये रेलवे में 182, रक्षा में 05, संचारध्डाक में 26, वित्तीय सेवाओं में 19, उच्च शिक्षा में 36, ऊर्जाधविद्युत में 06, स्वास्थ्य में 01, गृह में 10, कोयला खान में 07 एवं श्रम विभाग के 03 सहित कुल 306 नव नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जायेगा। रोजगार मेला–4 का आयोजन रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

अफसरों की अनुपस्थिति पर भड़के जिला पंचायत सदस्य, 55 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

जिला पंचायत बोर्ड ने प्रस्तुत कार्ययोजना को दी मंजूरी

महराजगंज। जिला पंचायत सभागार में बुधवार को हुई बोर्ड की बैठक में अधिकारियों की अनुपस्थिति पर एक बार फिर सदस्य भड़क गए। सदस्यों ने कहा कि अनुपस्थित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। बोर्ड ने सदस्यों की ओर से दी गई सड़क, पथप्रकाश आदि विकास के 55 प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी भी प्रदान की गई। जिला पंचायत सदस्य त्रिभुवन वर्मा ने कहा कि जिला पंचायत बोर्ड की बैठक में हिस्सा लेने में अधिकारी रुचि नहीं दिखाते हैं। इससे सदस्यों को जहां उनके सवालों का जवाब नहीं मिल पाता, वहीं, समस्याओं के निदान में भी बाधा आती है। ऐसे अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। सदस्य दीपक पांडेय व अभय सिंह ने भी इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि अगली बैठक में सुधार नहीं हुआ तो वे लोग बैठक का बहिष्कार करेंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल ने कहा कि जनहित व सदस्यों के हितों को देखते हुए कार्य किए जाएंगे। मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार राय ने निर्वाचन कार्यों का हवाला देते हुए कहा कि अगली बैठक से अधिकारियों की शत–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाएगी। उन्होंने सदस्यों की ओर से उठाए गए मामलों का समयबद्ध तरीके से निस्तारण करने को भी कहा। संचालन करते हुए अपर मुख्य अधिकारी रमेश कुमार सिंह ने बताया कि बैठक में पंचम राज्य वित्त, 15वां वित्त एवं जिलानिधि की कार्ययोजना से कराए जाने वाले सड़कों व अन्य विकास कार्यों से संबंधित 55 प्रस्तावों को बोर्ड ने स्वीकृति प्रदान की है। अभी बजट नहीं है। बजट की उपलब्धता के बाद इस पर कार्य कराया जाएगा। इस दौरान परियोजना निदेशक आरएस चौधरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीना वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

अधिशासी अभियंता विद्युत व जलनिगम को जारी हुआ था कारण बताओ नोटिसः पिछली बैठक की कार्रवाई की पुष्टि के दौरान सदस्यों ने मुख्य विकास अधिकारी से अनुपस्थित अधिकारियों पर की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी मांगी। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि अधिशासी अभियंता बिजली व जलनिगम को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। सदस्य दीपक पांडेय ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लक्ष्मीपुर में चिकित्सकों की तैनाती पर प्रसन्नता जताई। घुघली क्षेत्र में सड़कों व स्कूलों की दशा बदहाल

जिला पंचायत सदस्य इफ्तखार खां ने कहा कि घुघली क्षेत्र के कुछ परिषदीय स्कूलों में शिक्षक अपने जगह पर दूसरे को रख कर पढ़ा रहे हैं। इस बारे में जब भी खंड शिक्षा अधिकारी को जानकारी दी जाती है तो उनकी ओर से ध्यान नहीं दिया जाता। ऐसे में इसकी जांच करा कर कार्रवाई की जाए। उन्होंने घुघली क्षेत्र की सड़कों की बदहाली का भी मामला उठाया, जिस पर सुधार के लिए लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए गए। अन्य सदस्यों ने भी सड़क, पेयजल व बिजली से जुड़े मामलों को उठाया, जिस पर निदान का भरोसा दिलाया गया।

श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन विभिन्न प्रसंगों पर किए गए प्रवचन

सत्य के सहारे भगवान के चरणों का आश्रय लेकर व्यक्ति भवसागर पार हो सकता है

दैनिक बुद्ध का सन्देश

मधुपुर,सोनभद्र। ब्रज धाम वृंदावन मथुरा से पधारे युवा विद्वान ब्रज रविदास ने अपने व्यासपीठ से कथा प्रवचन के दौरान कहा कि मनुष्य से जीवन में जाने अनजाने प्रतिदिन कई पाप होते है। उन्हें उसका ईश्वर के समक्ष प्रायश्चित करना ही एक मात्र मुक्ति पाने का उपाय है। उन्होंने ईश्वर आराधना के साथ अच्छे कर्म करने का आह्वान करते हुए कहा कि मनुष्य अपने जीवन मे कुछ न करें, पूजा–पाठ तपस्या तीर्थ आदि दान पुण्य कुछ न करें केवल सत्य का आश्रय ले ले, नैया पार हो जाएगी। मधुपुर रामलीला मैदान में तीसरे कथा के दौरान युवा विद्वान ने कि कहा कि मनुष्य जीवन में जाने अनजाने प्रतिदिन कई पाप होते है। उनका ईश्वर के समक्ष प्रायश्चित करना ही एक मात्र मुक्ति पाने का उपाय है। उन्होंने ईश्वर आराधना के साथ अच्छे कर्म करने का आह्वान किया। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन कथा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में सत्संग व शास्त्रों में बताए गए आदर्शों का श्रवण करने का आह्वान करते हुए कहा कि सत्संग में वह शक्ति है, जो व्यक्ति के जीवन को बदल देती है। मनुष्य जीवन में हर व्यक्ति को क्रोध, लोभ,मद, मोह, हिंसा, संग्रह आदि का त्यागकर विवेक के साथ श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए। व्यास पीठ से गुरुवार को भागवत कथा के दौरान कपिल चरित्र, सती चरित्र, नृसिंह अवतार सहित 24 अवतारों का वर्णन करते हुए आदि प्रसंगों पर प्रवचन करते हुए कहा कि भगवान के नाम मात्र से ही व्यक्ति भवसागर से पार उतर जाता है। कलयुग केवल नाम अधारा, कलयुग में भवसागर पार होने काआसान तरीका है, भगवान का भजन। उन्होंने कहा कि भगवत कीर्तन करने, ज्ञानी पुरुषों, साधु–संतों के साथ सत्संग कर ज्ञान प्राप्त करने व अपने जीवन को सार्थक बनाने। का आह्वान किया। भजन मंडली की ओर से प्रस्तुत किए गए भजनों पर श्रोता भाव विभोर होकर करतल ध्वनि के साथ झूमने लगे। प्रेम विवाह पर चर्चा करते हुए युवा विद्वान ने कहा लड़के की योग्यता और पात्रता को देखकर ही मां–बाप बच्चों की शादी करते हैं और आजकल जो बच्चे स्वयं शादी विवाह कर रहे हैं,वह भावनाओं में बहकर चेहरे पर शादी विवाह करते हैं जो टिकाऊ नहीं होता। उन्हें भविष्य में हर हाल में पछताना पड़ता है। ग्रंथ हम लोगों का जीवन है ग्रंथ की महिमा बढाने के लिए सुखदेव स्वामी जी को सौंपा गया। सुखदेव स्वामी 18000 श्लोकों का अध्ययन करने के बाद श्रीमद् भागवत कथा की महिमा बढ़ा दिए। सुखदेव स्वामी ने परिक्षित को 7 दिनों में श्रीमद्भागवत कथा सुनाया था। जिससे परिचित का उद्धार हुआ था। मनुष्य को जवानी में ही धर्म का आश्रय लेना चाहिए, संसार स्वार्थी है स्वार्थ बस सभी प्रीति करते हैं। विवाद धर्म–अधर्म के बिच होता है। पांडव पांच भाई थे जो धर्मी थे। दुर्योधन अधर्मी था। धर्म के साथ भगवान श्री कृष्ण खड़े थे। अंत में धर्म का विजय हुआ, अधर्मी दुर्योधन सेना सहित मारा गया। अर्जुन को लेकर भगवान द्वारिका पूरी गए थे, धर्म की धूरी पर धर्म करने वाले के पुत्र वैसे ही होते हैं जैसे पांडव हुए थे। धर्मात्मा के घर कभी कभी अधर्मी पुत्र जन्म नहीं ले सकता। यदि संतान चरित्रहीन हो जाए तो समझ लेना चाहिए मां बाप ने कहीं गलती अवश्य की है। लड़का दारू बाज तभी होगा जब बाप दारु बाजी किया होगा। सबसे पहले माता पिता के मन में पुत्र आता है इसके बाद गर्भाधान क्रिया की पश्चात गर्भ में पुत्र आता है। गर्भ में पुत्र आते ही माता पिता को अधिक से अधिक पूजन, पाठ, कीर्तन व यज्ञ करना चाहिए। दर्शन पूजन कीर्तन करने से बच्चा निश्चित रूप बड़ा प्रतापी व विद्वान ही होगा। मां बाप बच्चों को भक्ति सिखावे, माता पिता बनना उन्हीं का सार्थक है जो बच्चों को भक्ति के मार्ग पर लाते हैं। कुंती बुआ धर्म को धारण करने वाली महिला थी। कुंती ने जब सुना भगवान द्वारिका पुरी छोड़कर चले गए, तो भगवान के बिरह में कुंती ने भी अपना सरीर छोड़ दिया। मां बाप को बच्चों में सदा सत्य बोलने के लिए प्रेरित करना चाहिए। वरना मां–बाप को सबसे ही पहले झूठ के गड्ढे में डूबना पड़ेगा। रसोई घर में अन्नपूर्णा देवी रहती है। बाल खोलकर महिलाओं को कभी भी भोजन नहीं बनाना चाहिए। स्नान किए बिना भोजनालय में प्रवेश नहीं करना चाहिए। भोजन बनाते समय भगवान का कीर्तन करना चाहिए। इस तरह बने भोजन खाने वाले की किस्मत 6 महीने में अवस्य बदल जाएगी। आगे ब्रज रजदास महाराज ने कहा कि वैराग्य मानव को ज्ञानी बनाता है। वैराग्य में मानव संसार में रहते हुए भी सांसारिक मोहमाया से दूर रहता है। उन्होंने वाराह अवतार सहित अन्य प्रसंगों पर प्रवचन किया। भागवत कथा के मुख्य यजमान रहे गुंजन केसरी की ओर से पूजा–अर्चना की गई। कथा स्थल पर रात्रि 11 बजे तक कथा प्रवचन चल रहा है। युवा विद्वान ने भक्त नरसी मेहता के जन्म, उनकी श्रीकृष्ण के प्रति भक्ति सहित अन्य प्रसंगों पर प्रवचन करते हुए कथा को विश्राम दिया गया। तत्पश्चात आरती पूजन समापन के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया ।

बाबा साहेब का जन्म दिवस कलेक्ट्रेट सभागार में मनाया जायेगा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने अवगत कराया है कि बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर का जन्म दिवस 14 अप्रैल,2023 को कलेक्ट्रेट सभागार में पूर्वान्ह 11:00 बजे जन्मदिवस समारोह मनाया जायेगा। आप सभी को निर्देशित किया जाता है आप स्वयं तथा अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ उक्त समारोह में ससमय प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

निर्वाचन सम्बन्धी शिकायतों के निस्तारण के लिये कन्ट्रोल रूम स्थापित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। अपर जिलाधिकारीध्प्रभारी जिला निर्वाचन अधिकारी सहदेव कुमार मिश्र ने अवगत कराया है कि आगामी नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन, 2023 हेतु राज्य निर्वाचन आयोग लखनऊ द्वारा अधिसूचना निर्गत कर दी गयी है, राज्य निर्वाचन आयोग के दिये गये निर्देश के क्रम में जनपद मुख्यालय पर शिकायत नियंत्रण कक्ष स्थापित कर दिया गया है, शिकायत नियंत्रण कक्ष की दूरभाष संख्या–05444–222959 है, मो0 नं0–9454489827 तथा ई–मेल आई0डी0 `वददपांलमसमबध्हउंपस.बवउ है। उक्त नियंत्रण कक्ष 24•7 घंटे सक्रिय रहेगा। उक्त नियंत्रण के संचालन हेतु शिफ्टवार अधिकारी व कर्मचारी की नियुक्ति कर दी गयी है, जिस पर निर्वाचन से सम्बन्धित शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

दो लाख रुपये से अधिक की नकदी का संचरण न करें प्रत्याशी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जिला मजिस्ट्रेटधजिला निर्वाचन अधिकारी (न0नि0) ने अवगत कराया है कि सम्भ्रान्त नागरिकों और राजनैतिक दलों/प्रत्याशियों को निर्देशित किया जाता है कि निर्वाचनों के दौरान दो लाख रूपये से अधिक की नकदी के साथ संचरण न करें, यदि किसी निर्वाचन क्षेत्र में किसी व्यक्ति को किसी आवश्यक उद्देश्य से निर्धारित मात्रा से अधिक नकदी ले जाने की आवश्यकता पड़ती है तो उसे ले जाने के लिए उसके पास ऐसे धन के स्रोत और उसके प्रयोग का कारण बताने के लिए समुचित कागजात होने चाहिए।

जिलाधिकारी ने राजकीय बालिका इण्टर कालेज राबर्ट्सगंज का किया औचक निरीक्षण

कालेज परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था के साथ ही छात्राओं को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की जाये प्रदान–जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने राजकीय बालिका इण्टर कालेज का औचक निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कालेज के कमरों में जाकर देखा और स्थिति का जायजा लिया, विद्यालय परिसर में खाली स्थानों पर कमरे बनाने के साथ ही विद्यालय परिसर में छात्राओं हेतु खेल–कूद की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु प्रधानाचार्या को निर्देशित किये, इस दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को दिये जा रहे शिक्षण कार्य आदि के सम्बन्ध में जानकारी ली और सम्बन्धित शिक्षकगणों को छात्राओं को बेहतर शिक्षा दिये जाने के निर्देश दियें। इस दौरान जिलाधिकारी ने कक्षा–6 से 8 तक के छात्राओं को निःशुल्क वितरण होने वाले किताबों को देखा और उसके सम्बन्ध में शिक्षिका से जानकारी प्राप्त की, शिक्षिका द्वारा बताया गया कि 50प्रतिशत छात्राओं को निःशुल्क किताबों का वितरण कर दिया गया है और शेष किताबों का वितरण छात्राओं में किया जा रहा है, इस मौके पर खेल–कूल सामग्री को देखा और निर्देशित किया कि अच्छे किस्म के सामान उपलब्ध कराया जाये। एम0डी0एम0 के तहत छात्राओं को दिये जा रहे भोजन के सम्बन्ध में जानकारी ली और मौके पर जाकर किचन की स्थिति का जायजा लिया और भोजन के गुणवत्ता के सम्बन्ध में उपस्थित शिक्षिका से जानकारी प्राप्त की गयी। इस दौरान जिलाधिकारी ने पीने हेतु शुद्ध पेयजल, शौचालय, स्टाक रूम, प्रयोगशाला आदि को देखा और कालेज के प्रयोगशाला को और बेहतर बनाने के लिए प्रधानाचार्या को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इस दौरान उन्होंने कहा कि कालेज में प्रयोग हेतु फर्नीचर व अन्य सामग्री खरीदी जाये, उस सामग्री को क्रय किये जाने से पहले ही उसकी गुणवत्ता को सैम्पल के रूप में देख लिया जाये, जिससे की सैम्पल की गुणवत्ता के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त हो सके। इसी प्रकार से कालेज परिसर के कमरों, दरवाजे व खिड़की सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं ठीक कराने के निर्देश प्रधानाचार्या को दिये गये। इस दौरान जिलाधिकारी ने कालेज के प्रधानाचार्या को निर्देशित करते हुए कहा कि कालेज परिसर में साफ–सफाई की व्यवस्था बेहतर ढंग से करने के साथ ही पीने के लिए पानी की सुविधा उपलब्ध कराया जाये।

आदर्श आचार संहिता का अनुपालन कराने हेतु समिति गठित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जिला मजिस्ट्रेटधजिला निर्वाचन अधिकारी (न0नि0) ने अवगत कराया है कि आदर्श आचार संहिता का अनुपालन सुनिश्चित कराने हेतु जिले स्तर तथा नगरीय निकायवार निम्नानुसार समिति गठित की जाती है जनपद स्तर अधिकारी जिला मजिस्ट्रेट–अध्यक्ष, पुलिस अधीक्षक– सदस्य, अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0)–सदस्य, अपर पुलिस अधीक्षक– सदस्य, अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग–सदस्य, अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, रावर्ट्सगंज–सदस्य, समस्त उप जिलाधिकारी–सदस्य, समस्त अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद्ध्नगर पंचायत–सदस्य व तहसील स्तर (निकाय–वार) सम्बन्धित उप जिलाधिकारी जनपद सोनभद्र– अध्यक्ष, सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी, सोनभद्र– सदस्य, सम्बन्धित तहसीलदार– सदस्य, सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद्ध्नगर पंचायत–सदस्य, सम्बन्धित थानाध्यक्ष– सदस्य जनपद स्तर तथा नगरीय निकायवार गठित समिति द्वारा चुनाव प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले प्रत्याशियों के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही हेतु रिटर्निंग अधिकारी को अवगत करायेंगी तथा रिटर्निंग अधिकारी द्वारा भी कार्यवाही की जायेगी। रिटर्निंग अधिकारी द्वारा प्रतीक आवंटन के उपरान्त निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्याशियों की बैठक बुलायी जायेगी तथा सभी प्रत्याशियों को आदर्श आचार संहिता के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी जायेगी और आचार संहिता सम्बन्धित आयोग द्वारा जारी समस्त निर्देशों की प्रतियॉ उपलब्ध करायी जायेगी। चुनाव प्रचार के दौरान प्रत्याशियों द्वारा जो नुक्कड़ सभायें और जन सभायें की जायेगी एवं जुलूस निकाले जायेंगे उनकी आवश्यकतानुसार वीडिओग्राफी भी करायी जायेगी।

बैंक ऋण अदायगी में बिसंगत निस्तारण के सम्बन्ध में हुई बैठक, परिचर्चा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। सचिव,(पूर्णकालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 13 मई, 2023 के संदर्भ में बैंक ऋण की अदायगी में विसंगत सम्बन्धी प्रीलिटीगेशन प्रकरणों के निस्तारण के सम्बन्ध में परिचर्चा के लिए एक बैठक सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के विश्राम कक्ष में आयोजित की गयी। इस बैठक में भाग लेने के लिए 11 बैंकों को सूचना भेजी गयी थी, जिसमें से केवल 04 बैंकों–इण्डियन बैंक, आर्यावर्त बैंक, यूनियन बैंक एवं यूको बैंक के प्रतिनिधि उपस्थित रहें तथा अन्य बैंकों के शाखा प्रबन्धक अनुपस्थित थे। बैठक में एल0डी0एम0 की प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि आर0बी0आई0 गाइड लाइंस के अन्तर्गत आगामी लोक अदालत के लिए तैयारी की जा रही है, शीघ्र ही एन0पी0ए0 खातों के खाता धारकों को वार्ता कर प्रकरणों के निस्तारण के लिए नोटिस भेजी जायेगी, यह प्रस्ताव रखा गया कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन विभिन्न तहसीलों में भी किया जाये, ताकि दूर–दराज के ध्ऋणियों को भाग लेने में कोई दिक्कत न आयें। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र द्वारा इस सम्बन्ध में सभी तहसीलों के उप जिलाधिकारी को पत्र लिखकर आवश्यक निर्देश जारी करने का आश्वासन दिया गया, सभी उपस्थित बैंक प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि वे आगामी लोक अदालत में निस्तारण हेतु चिन्हित उपयुक्त प्रकरणों की सूची 30 अप्रल, 2023 तक प्राधिकरण के कार्यालय में प्रेषित कर दिया जाये, ताकि उन्हें समय से सेवित कराया जा सके। इस मौके पर एल0डी0एम0 प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि वे आज की बैठक के तथ्यों से अनुपस्थित बैंक शाखा प्रबन्धकों को अवगत कराते हुए उन्हें लोक अदालत की बैठक में समय से भाग लेने के लिए निर्देशित करें।

ई–डिस्ट्रिक कार्यालय के सभाकक्ष को नियंत्रित कक्ष/ कंट्रोल रूम में निर्वाचन की समाप्ति तक स्थापित किया गया

गोरखपुर । जिला मजिस्ट्रेटधजिला निर्वाचन अधिकारी (नगरीय निकाय) कृष्णा करूणेश ने बताया है कि नगर निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 हेतु सूचनाओं के आदान प्रदान एवं शिकायत से संम्बंधित कार्यो को समयबद्ध एवं समुचित ढंग से सम्पादित करने हेतु ई–डिस्ट्रिक कार्यालय के सभाकक्ष को नियंत्रित कक्ष/कंट्रोल रूम में निर्वाचन की समाप्ति तक स्थापित किया गया है। उक्त कार्यालय के टेलीफोन नम्बर 0551 –2204196 का प्रयोग उक्त कार्य हेतु किया जायेगा तथा कम्प्यूटर व अन्य सहवर्ती उपकरण मय आपरेटर उक्त कार्य हेतु सम्बद्ध किया जायेगा। जिला मजिस्ट्रेटधजिला निर्वाचन अधिकारी (नगरीय निकाय) ने अपर जिला मजिस्ट्रेटध्प्रभारी अधिकारी (शिकायत प्रकोष्ठ एवं नियंत्रण कक्ष) पुरूषोत्तम दास गुप्ता को निर्देशित किया है कि नियंत्रण कक्षध्कंट्रोल रूम के संचालन हेतु समस्त आवश्यकताओं को अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कर ले।

असद एनकाउंटरः अखिलेश यादव ने एनकाउंटर पर उठाए सवाल, भाजपा भाईचारे के खिलाफ, न्यायालय में नहीं करते विश्वास

लखनऊ। माफिया अतीक अहमद के बेटे असद को आज उत्तर प्रदेश एसटीएफ की टीम ने झांसी में एक एनकाउंटर में ढेर कर दिया। असद उमेश पाल हत्याकांड का मुख्य आरोपी माना जा रहा था। हालांकि, इसको लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एनकाउंटर को लेकर सवाल उठाए है। उन्होंने एक ट्वीट कर भाजपा पर भी निशाना साधा है। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा कि झूठे एनकाउंटर करके भाजपा सरकार सच्चे मुद्दों से ध्यान भटकाना चाह रही है। भाजपाई न्यायालय में विश्वास ही नहीं करते हैं। आजके व हालिया एनकाउंटरों की भी गहन जाँच–पड़ताल हो व दोषियों को छोड़ा न जाए। अखिलेश ने कहा कि सही–गलत के फैसलों का अधिकार सत्ता का नहीं होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा भाईचारे के खध्लिाफ है। वहीं, पूर्व सांसद अतीक अहमद के बेटे असद और उसके सहयोगी के एनकाउंटर के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने कानून–व्यवस्था को लेकर बैठक की। सीएम योगी ने यूपी ैज्थ् के साथ ही क्ळच्, स्पेशल क्ळ लॉ एंड ऑर्डर और पूरी टीम की तारीफ की। प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने मुठभेड़ की जानकारी मुख्यमंत्री को दी। इस पूरे मामले पर ब्ड के सामने रिपोर्ट रखी गई है। अतीक अहमद के बेटे असद अहमद के एंकाउटर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मैं ैज्थ् टीम को बधाई देता हूं। जो अपराध करेगा वो बचेगा नहीं, उसे फांसी होगी और अगर पुलिस से भिड़ेगा तो पुलिस को जवाबी कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने कहा कि यह बहुत ऐतिहासिक कार्रवाई है और बहुत बड़ा संदेश है कि अपराधियों का युग समाप्त हो गया है। स्पेशल क्ळ, लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने बताया कि आज 12रू30 से 1 बजे के बीच में एक सूचना के आधार पर कुछ लोगों को रोका गया तो दोनों तरफ से गोलियां चलीं। इस मुठभेड़ में 24 फरवरी को उमेश पाल की हत्या करने वाले दो लोग घायल हुए और बाद में इनकी मृत्यु हो गई। इनकी पहचान असद अहमद और गुलाम के रूप में हुई। अभियुक्तों के पास से अत्याधुनिक विदेशी हथियार, बुलडॉग आदि बरामद हुए हैं।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक बुद्ध का संदेश

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

ग्लोइंग स्किन से लेकर मजबूत इम्यून सिस्टम तक...ये हैं विटामिन ई कैप्सूल के मैजिकल फायदे

आज के समय में हर कोई एक हेल्दी लाइफस्टाइल के साथ हेल्दी स्किन भी चाहता है. इसके लिए लोग तरह–तरह के घरेलू नुस्खे अपनाते हैं लेकिन कोई फायदा नहीं होता. ऐसे में अगर आप अपनी हेल्थ में विटामिन ई को शामिल करें तो आपको जादुई असर देखने को मिल सकता है. आज हम आपको विटामिन ई कैप्सूल के हेल्थ बेनेफिट्स बताने जा रहे हैं. विटामिन ई न सिर्फ आपकी स्किन के लिए बल्कि पूरी बॉडी और अंदरुनी स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक है.

दोस्तों गर्मी का मौसम आने वाला है जिसमें हमारे शरीर को एंटीऑक्सीडेंट की खास जरुरत होती है. इसके लिए आप विटामिन ई को चुन सकते हैं क्योंकि ये एक पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट हैं जो न सिर्फ हमारी बॉडी, स्किन की केयर करता है बल्कि इसके साथ बालों को भी मजबूत बनाता है. हालांकि, विटामिन ई सिर्फ एक ब्यूटी सप्लीमेंट न होकर आपके इम्यून सिस्टम के लिए किसी दवाई से कम नहीं है.

किन चीजों में पाया जाता है विटामिन ई

विटामिन ई का अल्फा–टोकोफेरॉल के रूप में जाना जाता है जिसका मतलब है कि ये फैट में घुलनशील एंटी–ऑक्सीडेंट हैं. इसलिए डॉक्टर इसे एक चमत्कारिक औषधि के रूप में मानते हैं. विटामिन ई पाने के लिए आप ड्राई–फ्रूट्स, मूंगफली, अखरोट सीड्स आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं. इसलिए हम आपको विटमिन ई कैप्शूल के फायदे बताने जा रहे हैं.

स्ट्रेस को भगाता है विटामिन ई

विटामिन ई किसी भी तरह के ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस में बहुत असरकारक है. ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस का मतलब शरीर में फ्री रेडिकल्स की मात्रा का बढ़ जाना होता है. ऐसे में आप अपनी डाइट में विटामिन ई की मात्रा बढ़ाकर इससे छुटकारा पा सकते हैं.

पीरियड्स पेन में असरकारक

विटामिन ई में ओमैगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है जो माहवारी के दौरान महिलाओं को होने वाले दर्द और क्रैम्पस में मदद करता है. एक स्टडी में पाया गया है कि रोजाना विटामिल ई के कैप्सूल लेने से महिलाएं को पीरियड्स के दौरान असहनीय दर्द से छुटकारा पाने में मदद मिलती है.

चुटकियों में पाएं ग्लोइंग स्किन

स्किन और बालों के लिए विटामिन ई को सबसे बेस्ट ऑप्शन बताया जाता है. रुखी–सूखी त्वचा की मरम्मत करने से लेकर ग्लोइंग और खिलखिलाती स्किन पाने के लिए आप रेगुलर विटामिन ई के कैप्सूल अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं. इतना ही नहीं विटामिन ई स्किन के अलावा बालों और नाखूनों की सेहत के लिए भी काफी असरदायक है.

सन बर्न में मदद करेगा विटामिन ईः गर्मी के मौसम में अगर आप भी चिलचिलाती धूप से परेशान हो जाएं या अपनी त्वचा तेज धूप में झुलस जाएं तो बेझिझक आप विटामिन ई कैप्सूल को अपनी स्किन पर लगा सकते हैं. ये आपको ठंडक का अहसास देंगे साथ ही ड्राई स्किन की मरम्मत करने में मदद करेगा.

मजबूत इम्यून सिस्टम के लिएः विटामिन ई न सिर्फ दमकती त्वचा के लिए बल्कि हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए भी काफी असरकारक है. विटामिन ई के कैप्शूल लेने से शरीर को बीमारियों से लडने में ताकत मिलती हैं. इस एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबॉडी गुण गंभीर बीमारियों और हर तरह के डिसऑर्डर को शरीर से दूर रखने में मदद करते हैं.

वाणी कपूर ने किया पहली सीरीज मंगला मर्डर्स का ऐलान, वैभव राज गुप्ता भी आएंगे नजर

फिल्म चंडीगढ़ करे आशिकी के साथ सिल्वर स्क्रीन पर एक ट्रांसजेंडर किरदार को शानदार ढंग से निभाने के लिए आलोचकों की प्रशंसा जीतने के बाद, बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर अब मंडला

मर्डर्स नामक अपनी पहली वेब सीरीज के साथ ओटीटी स्पेस में भी तूफान लाने को तैयार हैं. आज ही एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से अपने आने वाले प्रोजेक्ट के पहले लुक को शेयर किया है. दरअसल, अपनी आने वाली वेब सीरीज को ग्रेट क्राइम थ्रिलर बताते हुए वाणी ने लिखा, मेरे डेब्यू ओटीटी शो के लिए किल करने लिए जा रही हूं !! आप अनुमान लगा रहे हैं! प्त मदाला मर्डर्स को चलाने के लिए एक्साइटेड – एक गंभीर अपराध थ्रिलर जो आपको अनुमान लगाता रहेगा!. इस सीरीज में वाणी कपूर के साथ गुल्लक फेम अभिनेता वैभव राज गुप्ता भी मुख्य भूमिका में हैं. आपको बता दें कि, वाईआरएफ एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी मदाला मर्डर्स का निर्देशन मर्दानी 2 के निर्देशक गोपी पुथरान कर रहे हैं. मनन रावत, जो पहले वाईआरएफ की कई फिल्मों में एक सहयोगी निर्देशक के रूप में काम कर चुके हैं, सीरीज का सह–निर्देशन करेंगे. वाणी और वैभव के अलावा, सीरीज में अभिनेता, सुवरीन चावला और जमील खान भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं.

किसी का भाई... के ट्रेलर लॉन्च पर शहनाज गिल का दिखा बोल्ड अवतार, वायरल हुई तस्वीरें

बिग बॉस सीजन 13 की एक्स कंटेस्टेंट और एंटरटेनमेंट क्वीन शहनाज गिल ने हाल ही में अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में शहनाज गिल का काफी बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है। बता दें कि सलमान खान की फिल्म शकिसी का भाई किसी की जान्य का ट्रेलर लॉन्च हो चुका है। इस दौरान फिल्म की पूरी टीम एकसाथ नजर आई थी। जहां शहनाज गिल के ग्लैमरस लुक ने लाइमलाइट लूट ली थी। पंजाब की केटरीना शहनाज गिल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म शकिसी का भाई किसी की जान्य को लेकर चर्चाओं में हैं। बता दें कि 10 अप्रैल को मुंबई में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया है। जहां उनकी पूरी टीम एकसाथ नजर आई थी। जहां शहनाज गिल ने अपने बोल्ड अवतार से फैंस का अटेंशन अपनी ओर खींच लिया था। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं जिसें वो बेहद ही बोल्ड पोज देती हुई नजर आ रही हैं। शहनाज गिल ने अपने लेटेस्ट लुक में ब्लैक कलर का बेहद ही सिजलिंग डीपनेक टॉप के साथ ही ब्लैक शॉर्ट पहना हुआ है। अपने इस आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए एक्ट्रेस ने बाहर से ब्लैक कलर की कोट कैरी की है। ओपन हेयर और लाइट ग्लोसी मेकअप कर के एक्ट्रेस शहनाज गिल ने अपने इस लुक को और भी ज्यादा अच्छे से निखारा है। एक्ट्रेस शहनाज गिल जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन तस्वीरों पर भी अब तक 6 लाख से ज्यादा लोगों के लाइक्स आ चुके हैं।

सास बहू और फ्लेमिंगो का टीजर आउट, डिंपल कपाडिया संग ये सितारे आए नजर

ओटीटी लवर्स के लिए आज हम एक खुशखबरी लेकर आए

हैं. बता दें कि, जिस सीरीज का फर्स्ट लुक देख फैंस काफी एक्साइटेड थें, उसको लेकर मेकर्स ने एक और खुलासा किया है. बता दें कि, आने वाली होमी अदजानिया की डिज्नी प्लस हॉटस्टार सीरीज सास बहू और फ्लेमिंगो का पहला टीजर जारी किया गया है. डिपंल कपाडिया का ये आने वाला शो सामान्य सास–बहू की कहानी को पेश करता है. आपको बता दें कि, टीडर वीडियो एक परिचित लहजे में शुरू होती है, जिसके बैकग्राउंड में एकता कपूर का टाइटल सॉन्ग क्योंकि सास भी कभी बहू थी बज रहा है. डिंपल कपाडिया के घर में चीजें आनंदमय लगती हैं क्योंकि वह आरती और विभिन्न अनुष्ठान करती हैं, और घर की महिलाएं गरबा खेलती हैं. हालाँकि, बहुत जल्द हम एक्ट्रेस का एक अलग अवतार में देखते हैं जब वह राइफल पकड़ लेती हैं. क्लिप को सोशल मीडिया पर एक कैप्शन के साथ साझा किया गया था जिसमें लिखा था, चेतावनीरू ये कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है! कृपा न देखें. क्यों? क्योंकिज् एक्साइटेड फैंस कमेंट करने के लिए दौड़ पड़े, एक यूजर ने लिखा, सास बहू वैकल्पिक ब्रह्मांड में. एक अन्य ने कहा, वाह, मैंने अभी क्या देखा. एक यूजर ने कमेंट किया, गाना और ये वीडियो, लोल. इस वेब सीरीज की कास्ट के बारे में बात करें तो, इस सीरीज में डिंपल कपाडिया, राधिका मदान, अंगिरा धर, ईशा तलवार, दीपक डोबरियाल और मोनिका डोगरा सहित अन्य प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देने वाले हैं. यह सीरीज 5 मई को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने जा रही है.

आम को खाने से पहले क्यों भिगोना चाहिए ? जवाब जानना सेहत के लिए जरूरी है

वसंत का मौसम लगभग समाप्त हो चुका है और भीषण गर्मी का समय आ गया है. वैसे तो गर्मी का मौसम खाने–पीने के मामले में अच्छा नहीं माना जाता है लेकिन इस मौसम की कुछ चीजें ऐसी मजेदार हैं कि आपको इसका इंतजार रहता है. ऐसी ही चीजें हैं आम जिसको खाने के लिए लोग गर्मियों का बेसब्री से इंतजार करते हैं. गर्मियों में, हमारी भूख प्रभावित होती है. वहीं, फलों का राजा अपने स्वाद और स्वास्थ्य लाभों के साथ यह सुनिश्चित करता है कि उन दिनों में भी जब कुछ खाने का मन ना करें तो भी आप कुछ खा सकें.

आम के फायदेः आम जितना स्वादिष्ट है उतना ही यह गुणों से भी भरपूर है, जो आपकी सेहत को कई फायदें देता है. आम पोषक तत्वों, एंटीऑक्सिडेंट और फाइबर का भंडार हैं जो ऊर्जा को बढ़ावा देते हैं. यह कब्ज जैसी पाचन संबंधी समस्याओं को रोकता हैं. जिस फल में पर्याप्त मात्रा में विटामिन ए और सी होता है वह आपकी त्वचा और बालों के लिए भी अद्भुत काम कर सकता है. कुछ अध्ययनों ने दिल के स्वास्थ्य और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने के लिए इस अद्भुत गर्मियों के फल के लाभों का भी सुझाव दिया है.

खाने से पहले आम को क्यों भिगाना चाहिएः जहां कई लोग अपने आमों को बाजार से खरीदने के बाद फ्रिज में रखना पसंद करते हैं, वहीं कई लोग उन्हें स्टोर करने और खाने से पहले एक गहरे कंटेनर में भिगो देते हैं. क्या फलों को कुछ घंटों के लिए भिगोने का कोई मतलब है या यह सिर्फ एक मिथक है? आइए जानते हैं लोग ऐसा क्यों करते हैंरू– विशेषज्ञों की मानें तो आम न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि पोषक तत्वों से भी भरपूर होते हैं. वे विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सिडेंट की एक श्रृंखला प्रदान करते हैं जो प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देते हैं और अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं. एक फल को सही तरीके से खाना महत्वपूर्ण है. उपयोग करने से पहले आम को भिगोना होगा चाहिए, ऐसा करने से सही पोषण प्राप्त करने में मदद मिलती है.: आम में फाइटिक एसिड होता है और आम को भिगोने से फाइटिक एसिड को कम करने में मदद मिलती है जो एक एंटी–न्यूट्रिएंट के रूप में काम करता है और हमारे शरीर में पोषक तत्वों के अवशोषण को कम करता है. आमों को भिगोने से एंजाइम की गतिविधि को बढ़ाने में मदद मिलती है जो फाइटिक एसिड को तोडने में मदद करता है. इसके साथ ही कई बार आम को पकाने के कारबाईड का उपयोद करते हैं जो कि पेट में गर्मी पैदा करता है, इससे सेहत को कई नुकसान भी होते हैं. आम को भिगा कर रखने से इसकी गर्मी निकल जाती है. विशेषज्ञों के मुताबिक, आमों को खाने से पहले भिगोना एक सदियों पुरानी परंपरा है जिसका लोग पालन करते हैं और इसके पीछे एक अच्छा कारण है. मूल रूप से, अगर हम आमों को भिगोते हैं तो यह प्रक्रिया एंटी–न्यूट्रिएंट्स को हटाने में मदद करती है. एंटी–न्यूट्रिएंट्स कुछ पोषक तत्वों के अवशोषण में बाधा डालते हैं. आयरन, कैल्शियम आदि. 3–4 घंटे के लिए आमों को भिगोना कीटनाशकों को भी दूर करने के लिए पर्याप्त भोजन है. आप उन्हें सामान्य नल के पानी में भिगो सकते हैं.